राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार,30 नवेम्बर-2021 वर्ष-4,अंक-307 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सूरत में पति कमरे में फांसी लगा हुआ मिला और पत्नी मृत पड़ी मिली, पत्नी की हत्या के बाद पति के खुदकुशी की आशंका

क्रांति समय,सूरत

सूरत के पांडेसरा के एक कमरे में रहस्यमयी हालत में पति-पत्नी का शव मिलने के बाद पुलिस आशंका जताई जा रही है कि पति ने पत्नी की हत्या कर आत्महत्या की है.हालांकि, पुलिस ने दोनों की मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए फोरेंसिक पोस्टमॉर्टम करने का फैसला किया है। रूम के बाहर पड़ोसियों से आने वाली बदबू ने पुलिस को बिहार के सीतामढ़ी मोतीपुराना के मूल निवासी और पांडेसाराmम रंजीताकुमार शाह (26) और उनकी पत्नी सुशीलाकुमारी (25) पिछले 2 महीने से पांडेसाराम में रहने की सूचना दी। पड़ोसी ने पुलिस को सूचना दी कि उसका कमरा पिछले 2-3 दिनों से बंद था। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था।घटना की खबर मिलते ही पांडेसरा पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़ा तो रंजीत कुमार और उसकी पत्नी सुशीला कुमारी के शव रहस्यमय परिस्थितियों में कमरे में पड़े मिले। कमरे का दरवाजा भी अंदर से बंद था। कमरे में मिले आधार कार्ड के आधार पर दोनों की पहचान की गई। रंजीत और उसकी पत्नी ने

फोरेंसिक पोस्टमॉर्टम के बाद ही पता चलेगा पति-पत्नी की मौत का सही कारण

किया था २ महीने के लिए रह रहे हैं, शायद ही कभी कमरे से बाहर चला गया। पड़ोसियों को भी नहीं पता था कि वह कोई व्यवसाय कर रहा है और उनका नाम भी नहीं पता था। दोनों के पास से मिले आधार कार्ड के आधार पर पहचान होने पर गृहनगर में रहने वाले परिजनों से पुलिस ने संपर्क किया। हालांकि सूरत में अब तक कोई करीबी परिचित नहीं मिला है।

दोनों की मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम कर रही है। एक पोस्टमॉर्टम से पता चला है कि पांडेसरा दंपति की रहस्यमयी मौत में पति ने आत्महत्या की और उसकी पत्नी की मौत गला घोंटकर हड्डी टूटने से हुई। इसलिए इसे संदिग्ध हत्या भी कहा जा सकता है। फोरेंसिक विभाग के डॉक्टरों से अभी कुछ सवाल पूछे जाने बाकी हैं तो क्या कहा जा सकता है। दूसरी बात महिला के कुछ सैंपल लैब में भेजे गए हैं जो मौत का सही कारण बता सकते हैं। वहीं, परिजन कल रात तक सूरत आ जाएंगे, इसलिए उनसे भी पूछताछ की जाएगी, पांडेसरा थाने के पीआई एपी चौधरी ने कहा।

सुरत जेल से बरामद मोबाइल फोन केस में नारायण सांई ने शिकायत रद्द करने के लिए हाइकोर्ट में की अर्जी

क्रांति समय,सूरत

सुरत,सुरत की सेन्ट्रल में दुष्कर्म केस में सजा भुगत रहे आसाराम के पुत्र नारायण सांइ ने जेल में मोबाइल फोन के उपयोग करने की दर्ज शिकायत को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट में अर्जी की है। सुरत में वर्ष 2020 अक्तूबर

के दौरान सुरत सेन्ट्रल जेल में बेरेक नंबर 5 व 6 के हिस्से में से मोबाइल फोन बराद हुआ था। नारायण सांइ पर मोबाइल फोन का उपयोग करने का आरोप लगा था। सुरत सचिन पुलिस ने नारायण सांइ के खिलाफ प्रिजन एक्ट व आईपीसी धारा के तहत पुलिस शिकायत दर्ज की गई थी। इस मामले को लेकर नारायण सांइ के वकील ने बताया कि जहां से मोबाइल फोन बरामद हुआ था, वह नारायण सांइ के बैरेक के निकट कोमन टोयलेट से मिला था। मोबाइल फोन में ईएमआई नंबर नहीं था। इसके अलावा शिकायत में पेश किए गए सबूत भी पर्याप्त नहीं है। जिसे लेकर नारायण सांइ के खिलाफ जेल में मोबाइल फोन के उपयोग करने के आरोपी की शिकायत खारिज करने की हाईकोर्ट में अर्जी की गई। इस मामले में आनेवाले दिनों में सुनवाई होगी। आसाराम के पुत्र नारायण सांइ दुष्कर्म केस में आठ वर्ष से जेल की सजा काट रहे है। पिता आसाराम के खिलाफ राजस्थान में दुष्कर्म के शिकायत दर्ज हुई थी जिसके तहत आसाराम जोधपुर जेल में सजा भुगत रहे है। पिता-पुत्र दोनों के खिलाफ कोर्ट में केस चल रहा है।

प्रदेश भाजपा नेता ने सरकार के प्रशासनिक कामकाज पर उठाए सवाल

राजकोट,प्रदेश भाजपा नेता चेतन रामाणी ने प्रशासनिक कामकाज पर सवाल उठाते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की है। चेतन रामाणी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर प्रशासनिक अधिकारियों को गंभीर आरोप लगाए है।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को लिखे पत्र में प्रदेश भाजपा नेता चेतन रामाणी ने कहा है कि राजकोट कलेक्टर व तहसीलदार कचहरी के में अधिकारियों के कामकाज से किसानों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। खाताधारक किसान होने के बावजूद विविध दस्तावेजों की माग कर किसानों को परेशान किया जा रहा है। 1960 के पुराने दस्तावेज प्रशासन के पास नहीं है तो किसानों के पास कहां से होंगे? कलेक्टर व तहसीलदार कचहरी में विविध दस्तावेजों की माग कर किसानों की अर्जी खारिज करने का आरोप लगाया। इसके साथ ही चेतन रामाणी ने रेवन्यू अधिकारियों पर भी झूठी क्वेरी निकालकर तोडबाजी करने का गंभीर आरोप लगाया।

प्रदेश भाजपा नेता के चेतन रामाणी के बयान को कांग्रेस नेता ललित कगथरा ने अपना समर्थन देते हुए कहा कि सरकार में हो रहे भ्रष्टाचार पर भाजपा नेता अवगत है परंतु कुछ बोल नहीं सकते। इससे किसानों को न्याय कहां से मिलेगा? कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि भाजपा नेता द्वारा सिर्फ मुख्यमंत्री को पत्र लिखने पर संतोष नहीं माने। यदि चेतन रामाणी आंदोलन कर रहे हैं कांग्रेस अपना समर्थन जारी करेगी। भाजपा में भ्रष्टाचार ही शिष्टाचार है। भाजपा के राज में अधिकारी अपनी मनमानी चला रहे हैं। वहीं रेवन्यु अधिकारी ने भाजपा नेता के सभी आरोपो को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि खाताधारक किसानने अर्जी की थी। परंतु १९६० का रिकार्ड न होने पर किसान से सबूत पेश करने को कहा था। किसान सबूत पेश नहीं कर पाने के लिए उनकी अर्जी खारिज की गई। गौरतलब है कि भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा नेता के मुख्यमंत्री को लिखे पत्र से राजनीतिक माहौल गर्माया हुआ है। प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ भी सवाल उठ रहे है। ऐसे में आनेवाले समय में मुख्यमंत्री क्या कार्रवाई करेंगे या नहीं। या फिर पार्टी में भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठानेवाले की आवाज दबा दी जाएगी? यह तो आनेवाले समय में ही पता चलेगा।

बुजुर्ग दंपत्ति से मारपीट के आरोप में 6 पुलिस कर्मी निलंबित

क्रांति समय,सूरत

अहमदाबाद, शहर के चांदखेडा इलाके में बुजुर्ग दंपत्ति से बदसलूकी के आरोप में दो महिला समेत 6 पुलिस कर्मी को पद से निलंबित कर दिया गया। समग्र मामला हाईकोर्ट

में पहुंचने पर कोर्ट ने पुलिस कर्मियों के खिलाफ शिकायत दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

अहमदाबाद शहर के चांदखेडा इलाके बुजुर्ग दंपत्ति को पुलिस द्वारा घर से बाहर घसीटकर ले जाने का वीडियो काफी वायरल हुआ था। मकान मालिक ने किराये पर रह रहे पीआई वी.जी.राठोड से मकान खाली कराने की रंजिश रखकर चांदखेडा पीआई के साथ मिलकर वृद्ध दंपत्ति के बदसलू करने घटना सामने आई थी। इस मामले में वृद्ध दंपत्ति ने हाईकोर्ट में शिकायत दर्ज करवाई थी। इस मामले में पुलिस कमिशनन के जांच के आदेश देते हुए सर्वेलन्स स्कवॉड में फर्ज निभा रहे 6 पुलिस कर्मी को डीसीपी जोन-2 विजय पटेल तो तत्काल असर से सस्पेन्ड का आदेश दे दिए। चांदखेडा पीआई के.वी.पटेल के लिए भी जांच के आदेश दिए है। गौरतलब है कि चांदखेडा में पुलिस कर्मियों को बुजुर्ग दंपत्ति पर अत्याचार करते हुए घसीटकर घर से बाहर निकालने का वीडियो वायरल हुआ था। इस मामले को लेकर दंपत्ति ने हाईकोर्ट में शिकायत दर्ज कराई थी। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से समग्र घटना को लेकर रिपोर्ट मांगी है। इस मामले अधिक सुनवाई 15 दिसंबर को होगी। हाईकोर्ट में बुजुर्ग दंपत्ति ने कसूरवाद पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और मुआवजा के तौर पर 5 लाख रूपए देने सरकारी खर्च पर पुलिस सुरक्षा की मांग की है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार मै एक मजदूर हूँ। जिस दिन कुछ लिख न लूँ, उस दिन मुझे रोटी खाने का कोई हक नहीं। - प्रेमचंद

संपादकीय

दहशत की दस्तक

ऐसे वक्त में जब दुनिया के तमाम देश करीब दो साल तक कोरोना संक्रमण के आगोश में रहने के बाद सामान्य जिंदगी की ओर कदम बढ़ा रहे थे, एक नये वेरिएंट ओमीक्रॉन ने तमाम देशों की नींद उड़ा दी है। दरअसल, दक्षिण अफ्रीका समेत कुछ देशों में पाये गये इस वेरिएंट को अब तक सबसे ज्यादा म्यूटेशन करने वाला बताया गया है, जिसके चलते वैज्ञानिक इसे डरावना व अब तक सबसे खराब वेरिएंट बता रहे हैं। अब सवाल उठने लगे कि यह कितना संक्रामक है और वैक्सीन लगाने के बावजूद यह कितनी तेजी से फैल सकता है। साथ ही इससे बचाव के लिये क्या कदम उठाये जाने चाहिए। कह सकते हैं कि इस वायरस को लेकर अभी कयास ज्यादा है पुख्ता जवाब कम हैं। पिछले दिनों एम्स के डायरेक्टर ने दावा किया था कि तीसरी लहर की संभावनाएं क्षीण हैं, लेकिन अब चिंताएं फिर से बढ़ने लगी हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय भी हरकत में आया है और राज्यों को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिये गये हैं। जाहिर बात है इसके तीव्र प्रसार वाले बहुरूपिया स्वरूप ने दुनिया की चिंताएं बढ़ा दी हैं। कहते हैं कि इस वेरिएंट में पचास से अधिक म्यूटेशन देखे गये हैं और उसमें तीस से अधिक स्पाइक प्रोटीन में, जिसके जरिये यह मानवीय कोशिकाओं पर हमला बोलता है। अब सवाल उठने लगा है कि क्या यह वेरिएंट अब तक उपलब्ध तमाम टीकों से हासिल इम्यूनिटी को बेअसर कर देगा? दरअसल, कुछ देशों में दोनों टीका लगाने वाले लोग भी इसका शिकार बने हैं। हांगकांग में होटल के अलग कमरों में ठहरे लोगों में इसके प्रभाव के बाद आशंका पैदा हुई कि यह हवा से भी फैल सकता है? जब तक इस नये वेरिएंट के बारे में स्वास्थ्य वैज्ञानिकों के पास पर्याप्त जानकारी नहीं है, हमारी सजगता, सावधानी व सतर्कता ही प्राथमिक उपचार है। चिंता है कि वैज्ञानिकों व सरकारों ने कोरोना संक्रमण के खिलाफ जो प्रतिरोधकता हासिल की है कहीं उस पर नये वेरिएंट से पानी तो नहीं फिर जायेगा? दरअसल बचाव के उपाय के लिये सरकारों द्वारा उठाये गये कदमों से लोग तंग होने लगे हैं। यूरोप के कई देशों में नई लहर के बाद जो प्रतिबंध लगे उनके खिलाफ लोगों ने हिंसक प्रदर्शन किये। वाकई महामारी ने दुनिया की अर्थव्यवस्था को रौंदा तो मार आम लोगों पर ही पड़ी। ऐसे में जरूरी है कि लोग बचाव के आम उपायों सुरक्षित दूरी, मास्क और सफाई का ध्यान रखें और विदेशों से आने वाले लोगों पर निगरानी रखकर कड़ी जांच की जाये। तभी हम तीसरी लहर के खतरे को टाल सकते हैं। हकीकत यही है कि इस्राइल जैसे देशों में जहां टीकाकरण सबसे पहले पूरा हुआ, वहां भी सरकार घबराकर आपात स्थिति घोषित करने की सोच रही है। तमाम देशों ने दक्षिण अफ्रीका समेत प्रभावित देशों की उड़ानें बंद कर दी हैं। नये वेरिएंट से कई देशों के स्वास्थ्य ढांचे के चरमराने का खतरा पैदा हुआ है।

आज के कार्टून

ब्रह्मांड

जग्गी वासुदेव

आप अगर अपने आसपास के जीवन के प्रति संवेदनशील हैं, तो आप को पता लग सकता है कि वे क्या कह रहे हैं। उससे भी ज्यादा, अगर आप इस जीवन के प्रति संवेदनशील हैं, जिसे आप 'मैं' कहते हैं तो सृष्टि की रचना के समय से अब तक जो कुछ हुआ है वह सब इसी भौतिक शरीर में है क्योंकि ये शरीर अपने आप में एक छोटा ब्रह्मांड है-यही कारण है कि इसे 'माइक्रोकोस्म' भी कहा जाता है। बड़ा ब्रह्मांड बस इसका ही एक बड़ा किया हुआ रूप है-संपूर्ण ब्रह्मांड में जो कुछ भी हुआ है, वह सब अत्यंत सूक्ष्म रूप से, यहां हुआ है और अभी भी हो रहा है। मैं ऐसा क्यों कह रहा हूं कि यह अभी भी हो रहा है? इसका कारण यह है कि 'सृष्टि की रचना हुई' यह विचार ही बचकाना है, और यह भी कि यह रचना 6-7 दिनों में हुई। वास्तव में 'सृष्टि की रचना हुई' ऐसी कोई बात ही नहीं है। यह ऐसी चीज नहीं है जो हो चुकी हो, यह तो हमेशा ही हो रही है, इसकी रचना होना एक निरंतर प्रक्रिया है। समय का विचार भी एक बचपने का विचार है। 'दस लाख साल पहले' जैसी कोई बात नहीं है। जो भी अस्तित्व को निकट से, अत्यंत ध्यानपूर्वक देखेगा, उसके लिए सब कुछ अभी ही है, सब कुछ यहीं है। तो ये 'यहीं' कहां है? क्या ये वहां है जहां आप अभी बैठे हुए हैं? नहीं! ये आप के अंदर है क्योंकि वही एक स्थान है, जो आप की जानकारी में है, आप के लिए खुला हुआ है। और कोई भी चीज, कभी भी आपकी जानकारी में नहीं आई है। यदि आप चीजों को वैसा ही देखना चाहते हैं जैसी वे हैं, न कि जैसी आप को आप की आंखों से दिखती हैं, तो इसके लिए बहुत सारा काम करना पड़ेगा। तो कर्म एक सरल, सीधा शब्द नहीं है। हम जब कहते हैं कि ये आप का कर्म है तो इसका अर्थ यह है कि 'बिग बैंग' भी आप का कर्म है। सृष्टि की रचना का आरंभ भी आप का ही किया हुआ है क्योंकि वह भी आप के भीतर है। हर चीज उसमें हुई है, जिसे हम चेतना कहते हैं, और यह आप के लिए कोई अज्ञात वस्तु नहीं है, कोई विदेशी पदार्थ नहीं है-यह आप का आधार है। तो, सृष्टि की रचना की शुरु आत भी आप ही हैं।

प्रकृत का प्रत्येक अंश ध्यान देने योग्य

- हृदयनारायण दीक्षित

मनुष्य जीवन में सौंदर्य का महत्व है। सौंदर्य कला का मुख्य तत्व है। कलात्मक सृजन के लिये भी मूल ध्येय सौंदर्य है। सौंदर्य का सृजन कला का मूल कर्म है। उपनिषदों में कहा गया है कि बलहीन को आत्म उपलब्धि नहीं होती। सृजन पुष्ट शरीर द्वारा ही संभव है। शरीर से ही उत्कृष्ट संगीत संभव है और गीत-संगीत से ही कला की यात्रा। सृजन में शरीर के सभी अंग सक्रिय होते हैं। इसी तरह संगीत में वाद्य यंत्रों से काम लेते समय भी शरीर के ही अंग काम करते हैं। गीत गायन में पूरा स्वर यंत्र काम करता है। चित्र बनाते समय भी शरीर की भूमिका है। सौंदर्य सृजन और दर्शन में आंख और मन की भूमिका है। आंख का स्वस्थ होना जरूरी है। इसी तरह से सुनने की शक्ति भी अनिवार्य है। शरीर का प्रत्येक अंग कला सृजन में हिस्सा लेता है। सृजन के लिए अनिवार्य है। महाभारत शांति पर्व में प्रकृति और उसके विकारों का सुंदर वर्णन है। कला के लिए भी स्वस्थ शरीर से ही संभव है। महाभारत में बताते हैं कि इस पृथ्वी को सौंदर्य रसों, गंधों सौंदर्य और प्राणियों का कारण समझना चाहिए। मनुष्य प्रकृति का हिस्सा है। पांच महाभूतों से यह प्रकृति बनी है। मनुष्य भी पांच तत्वों से बना है। भृगु बताते हैं, ''प्राणियों का शरीर इन पांच महाभूतों की ही प्रेरणा है।'' आगे कहते हैं इसमें गति, वायु का हिस्सा है। मनुष्य शरीर के भीतर रिक्त भाग आकाश का अंश है। मनुष्य शरीर का ताप अग्नि की कृपा है। मनुष्य शरीर के रक्त का मूल जल का अंश है और हड्डी मांस आदि पदार्थ पृथ्वी के अंश हैं।'' शरीर में प्रत्येक तत्व से पांच चीजें बनती हैं। त्वचा, मांस, हड्डी, मज्जा, श्नायु तंत्र पृथ्वी मय है। तेज, क्रोध, अग्नि, ऊष्मा और जठराग्नि अग्निमय है। कान, आंख, मुंह, हृदय और पेट आकाशमय है। कफ, पित्त, पसीना, चर्बी और रक्त ये जल रूप हैं। वायु भी पांच रूप वाली है। इन पांच रूपों का नाम प्राण, ज्ञान, अपान, समान- उदान ये पांच प्रकृति के रूप हैं। गंध, स्पर्श रस रूप में पृथ्वी में हैं। पृथ्वी का मुख्य गुण गंध है। इसमें अनुकूल, प्रतिकूल, मधुर, कटु स्निग्ध, रुचि आदि 09 भेद हैं। प्रकृति का प्रत्येक अंश ध्यान देने योग्य है। सौंदर्य आकर्षित करता है। सौंदर्य का संबंध रूप आंख से है। रूप के सोलह भेद बताये गये हैं। इन भेदों का संबंध कला सृजन से है। प्रकृति के प्रपंच में सबसे सूक्ष्म तत्व आकाश है। इसका मुख्य गुण शब्द है। प्रत्येक शब्द का अर्थ होता है। इसका विस्तार कला के लिए जरूरी है। आकाश जनित शब्द के भी सात भेद बताये गये हैं। ये सात सुर हैं। संगीत का आधार है। संगीत शास्त्र में इन सात सुरों का स्पष्ट वर्णन है। इन्हें सडज, ऋषम, गांधार, मध्यम, पंचम, धवेत, निषाद कहा गया है। संक्षेप में सा, रे, गा, मा, पा, धा, नि कहे जाते हैं। सुरों का मुख्य केंद्र आकाश है। आकाश सब तरफ व्याप्त है। महाभारत में वाद्य यंत्रों का उदाहरण देखते हुए कहते हैं, ''नगाड़े आदि में इसकी स्पष्ट अभिव्यक्ति होती है। मृदंग, शंख, बादल और रथ की गति में सुनी गयी ध्वनि इन्हीं सुरों के भीतर है। शरीर और मन का संबंध सुस्पष्ट है लेकिन विचित्र है। चरक संहिता आयुर्वेद का ग्रंथ है। यहाँ 'आयु' की परिभाषा दी गयी है, ''शरीर इन्द्रिय मन आत्मा के संयोग को आर्यु कहते हैं। ध्यान देने योग्य बात यह है कि आयु में शरीर और आत्मा दोनों सम्मिलित हैं। मन और इन्द्रिय तो शरीर का भाग है ही लेकिन आत्मा को अधिकांश विद्वान अलग मानते हैं। अजर अमर बताते हैं। चरक संहिता में सबको द्रव्य कहा है। यहॉ 9 द्रव्य कहे गये हैं। पहला आकाश है। दूसरा वायु, तीसरा अग्नि है। चैथा जल, पाँचवा पृथ्वी, छठवां आत्मा है, सातवां मन है, आठवां काल है और नौवां दिशा। आत्मा को महाभारत के गीता वाले अंश में अजर, अमर, अविनाशी कहा गया है। लेकिन चरक संहिता में आत्मा मन और काल दिशा दृव्य हैं। शरीर में वात्, पित्त और कफ यह तीनों दोष हैं। इनका संतुलन जरूरी है। जैसे शरीर के तीन दोष और गुण बताये गये हैं वैसे ही मन के आधार पर भी मन और भावना के आधार पर विश्लेषण किया गया है। जीवन विज्ञान में रस की बहुत चर्चा है। बताते हैं कि मनुष्य जो खाता है उससे रस का बोध होता है। रस का लक्षण बताते हैं, ''रसना के अर्थ का मन रस है'' रसना भावनात्मक संज्ञा है। प्रत्यक्ष में इसका मन जीभ है। उपनिषदों में धर्म को पृथ्वी का रस बताया गया है। रस का आधार दृव्य, जल पृथ्वी है। रस का जन्म भी जल और पृथ्वी से होता है। मधुर और कटु रसबोध को प्रकट करने वाले शब्द हैं। मानसिक एकाग्रता जरूरी है। विद्वान व्यक्ति का भी मन इधर-उधर भागता है। ज्ञान प्राप्ति के लिए मन की एकाग्रता जरूरी है। बताते हैं मन के अधीन मन की प्रेरणा से मन के साथ इन्द्रिय अपने-अपने विषयों को ग्रहण करने में समर्थ होते हैं। सौंदर्य बोध में भी मन की भूमिका है। मन लगता है तो पास पड़ोस, उबड़-खाबड़, जंगल भी उपवन का मजा देते हैं। मन न लगे तो सुंदर उपवन भी व्यर्थ हो जाते हैं। मन को ज्ञानमय

व कल्याणकारी बनाने के लिए यजुर्वेद में 6 मंत्रों का उल्लेख एक साथ किया गया है। ऋषि ने कहा है कि हमारा मन शक्तिशाली है। इधर-उधर भागता है। यहाँ-वहाँ धरती आकाश में भागता है। ऋषि की प्रार्थना है, ऐसा हमारा चंचल मन कि शिव संकल्पों से भरा-पूरा है- तन्मे मनः शिव संकल्पम अस्तु। सभी 6 मंत्रों के अंन्त में तनमे मनः शिव संकल्पम् अस्तु की टेक दोहराई गयी है। शरीर थकता है, मन नहीं थकता। शरीर विश्राम में जाता है, इन्द्रियां विषयों से मुक्त होती हैं। हम सब निद्रा में होते हैं। तब मन मुक्त होकर अपना काम और भी तेज रफ्तार से करता है। तमाम सपने गढ़ता है। हम तारों भरे आकाश की यात्रा पर होते हैं, किसी नदी के तट पर या समुद्र के किनारे नितांत अपरिचित क्षेत्र में टहलने का मजा लेते हैं। कैसे होता है यह सब? विज्ञान के पास इसका ठोस उत्तर नहीं है। सोते हुए ऐसे क्षेत्रों, दृश्यों में रमना स्वप्न कहा जाता है। स्वप्नों का यह संसार हरेक जिज्ञासु के लिए रहस्यपूर्ण है। अतिशक्तिशाली श्रीमान और गतिमान हैं मन। ऋषियों ने उन्हें 'चंचल' कहा है। इस चंचलता का सबसे रोचक पहलू है- वर्तमान से असंतोष। असंतोष दुख देता है लेकिन असंतुष्ट मनोदशा के फायदे भी हैं। हम असंतुष्ट होकर परिस्थिति बदलने के लिए सक्रिय भी होते हैं। सक्रियता की भी प्रेरक शक्ति है मन। आशा और अभिलाषा मन के रचे प्रपंच होते हैं। लेकिन सत्य संपूर्ण चेतन है, जहां सत्य होगा वहां मन नहीं होगा। पतंजलि के योग सूत्रों में खूबसूरत महाविज्ञान है। उनका लक्ष्य ही है योगश्चित्तवृत्ति निरोध। चित्त वृत्तियों का माफिया है- मन। पतंजलि ने योग में इसी माफिया के नियंत्रण की तकनीकी बताई है। बताया है कि ''तब साक्षी स्वयं में स्थापित हो जाता है।''

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष हैं।)

चिंताजनक है जीका वायरस का हमला

- योगेश कुमार गोयल

देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में भले ही लगातार कमी देखी जा रही है लेकिन पिछले कुछ महीनों से देश के कई राज्यों में डेंगू के बढ़ते मामलों के साथ कुछ दिनों से जीका वायरस ने भी नई चिंता को जन्म दिया है। उत्तर भारत और खासकर उत्तर प्रदेश में जीका वायरस के मामले जिस तेजी के साथ सामने आए हैं, उससे चिंता का माहौल बनना स्वाभाविक है। उत्तर प्रदेश के कानपुर, कन्नौज, लखनऊ, मथुरा सहित कई जिलों में जीका वायरस के मामले सामने आए हैं और अब फतेहपुर जिले में भी जीका वारयस का केस सामने आने के बाद वहां स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा है। उत्तर प्रदेश का कानपुर जिला तो जीका वायरस और डेंगू का हॉटस्पॉट बना हुआ है, जहां जीका का पहला मामला 24 अक्तूबर को सामने आया था और उसके बाद से वहां पिछले करीब एक महीने में ही इसके 140 से भी अधिक मरीज सामने आ चुके हैं। जीका संक्रमण को लेकर चिंताजनक स्थिति यह है कि यह वायरस सामान्य लोगों के अलावा गर्भवती महिलाओं को भी संक्रमित कर रहा है। अब तक कई गर्भवती महिलाएं जीका वायरस से संक्रमित मिल चुकी हैं। इस वर्ष जीका वायरस का पहला मामला केरल में 8 जुलाई 2021 को सामने आया था, जिसके बाद केरल में जीका वायरस के मामले अचानक सामने आने लगे और ऐसे मामलों की संख्या 64 तक पहुंच गई थी। वहां जीका से एक मरीज की मौत की खबर सामने आई थी। महाराष्ट्र में भी जीका वायरस का मामला सामने आया था लेकिन अब उत्तर प्रदेश में जीका का प्रकोप चिंता का सबब बना है। केरल के बाद अब उत्तर प्रदेश में जीका के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्पष्ट है कि बारिश के बाद मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए सरकारी तंत्र द्वारा लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए समुचित प्रबंध नहीं किए गए। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि जहां शहरी और महानगरीय क्षेत्रों में ही करीब 80 फीसदी लोगों को इस वायरस और इससे होने वाली बीमारी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, वहीं ग्रामीण परिवेश में तो लोग इससे पूरी तरह अनजान हैं, इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग द्वारा अब तक देशभर में कहीं ऐसा कोई अभियान नहीं चलाया गया है, जिससे लोगों में जीका वायरस संक्रमण के प्रति जागरूकता पैदा की जा सके। आज भी देश में अधिकांश लोग नहीं जानते कि जीका आखिर है क्या, इससे क्या बीमारियां पैदा होती हैं और उनके क्या लक्षण सामने आते हैं। जीका एक खतरनाक वायरस है, जो उसी एडीज मच्छर के काटने से फैलता है, जो डेंगू, चिकनगुनिया, निपाह, जापानी इन्सेफेलाइटिस, फाइलेरिया, मलेरिया इत्यादि बीमारियों का जनक है, यह मच्छर प्रायः दिन के समय सक्रिय रहता है। अधिकांशतः गर्भवती महिलाएं इस वायरस की शिकार बनती हैं। इससे गर्भपात और मृत बच्चे के पैदा होने का भी खतरा रहता है। यह जन्म लेने वाले बच्चे के विकास पर बहुत दुष्प्रभाव डालता है, इससे पीड़ित महिलाओं के बच्चे अविकसित दिमाग के साथ पैदा होते हैं। करीब 70 से 80 फीसदी मामलों में जीका संक्रमित व्यक्ति में लक्षणों की पहचान नहीं हो पाती, इसलिए जीका वायरस से बचने के लिए सबसे बड़ा हथियार जागरूकता को ही माना गया है। जीका वायरस पर नियंत्रण के लिए दुनियाभर में अब तक कोई कारगर वैक्सीन नहीं बनी है। जो उपाय डेंगू, चिकनगुनिया इत्यादि फैलाने वाले मच्छरों से बचने के लिए बताए जाते रहे हैं, वही उपाय जीका वायरस फैलाने वाले मच्छर से बचने के लिए भी किए जाते हैं, जैसे अपने आसपास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना, कहीं भी पानी को ठहरने न देना, मच्छरदानी का प्रयोग, मच्छरों की अधिकता वाले क्षेत्रों में पूरे कपड़े पहनना, मच्छरनाशक चीजों का इस्तेमाल तथा बगैर जांच के रक्त शरीर में न चढ़वाना इत्यादि। जीका वायरस से संक्रमित होने पर दर्द तथा बुखार की सामान्य दवाएं दी जाती हैं किन्तु लक्षण प्रबल होने पर विशेषज्ञ से परामर्श करना अत्यावश्यक हो जाता है। जीका वायरस खतरनाक इसलिए माना जाता है क्योंकि इसके इंफैक्शन तथा उससे होने वाली बीमारियों का अभी तक कोई उपचार उपलब्ध नहीं है और कुछ मामलों में इससे लकवे के साथ मौत होने की संभावना भी रहती है। जीका वायरस गर्भवती मां से बच्चे में तथा शारीरिक संबंधों से भी स्थानांतरित होते हैं। इससे प्रभावित लोगों को हल्का बुखार, आंखों में संक्रमण, सिरदर्द, मांसपेशियों व जोड़ों में दर्द, त्वचा पर चकते इत्यादि लक्षण सामने आते हैं, जो प्रायः 2-5 दिन तक रहते हैं। हालांकि कुछ लोगों में कई दिनों तक कोई लक्षण सामने नहीं आते। जीका वायरस से गुलियन-बार सिंड्रोम नामक नर्वस सिस्टम की बीमारी भी हो जाती है। इसकी अनुमानित मृत्यु दर 8 प्रतिशत से ज्यादा है। इस वायरस के संक्रमण से अस्थायी रूप से लकवा भी मार जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जीका वायरस वीर्य में पहुंच जाए तो यह करीब दो सप्ताह तक जीवित रह सकता है और यही कारण है कि जीका वायरस के संक्रमण से प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित यौन संबंध बनाने की सलाह दी जाती है और ऐसे क्षेत्रों में रक्तदान भी प्रतिबंधित किया जाता है। (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सू-दोकू नवताल -1975

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

सू-दोकू - 1974 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 1975

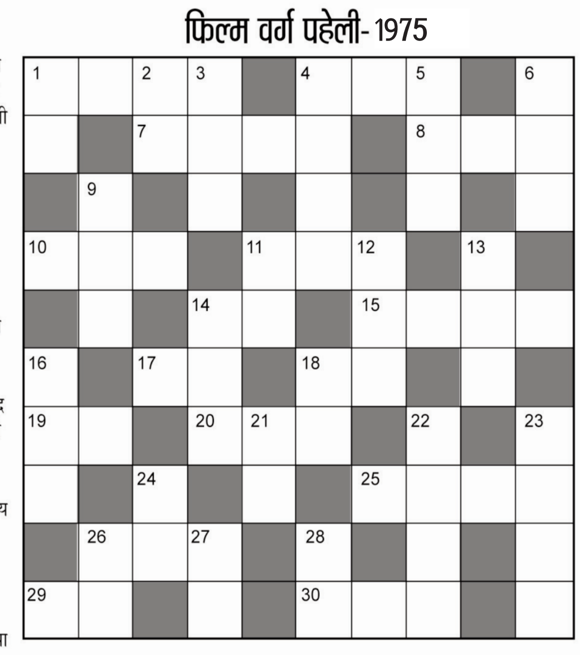

बायें से दायें:-

1. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की 'सांसों को सांसों में ढलने दो' गीत वाली फिल्म-2,2
4. 'रंग भरे मौसम से रंग चुराके' गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-3
7. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-4
8. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-3
10. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली फिल्म-3
11. फिल्म 'मनोरंजन' में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-3
14. सलमान, सोमी की 'दिल मेरा यहां' गीत वाली फिल्म-2
15. 'कब के बिछड़े हुए' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-4
17. अमजद खान, बिंदिया गोस्वामी की 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-2
18. 'मेरे खयालों की मलिका' गीत वाली शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-2
19. सुनील शेट्टी, रंभा की 'कहां गये ममता' गीत वाली फिल्म-2
20. 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की फिल्म-3
25. अमिताभ, अरशद वारसी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-4
26. 'ये दुनियावाले' गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-3
29. धर्मेन्द्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-2
30. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. नसीरूद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-2
2. करणनाथ, मनीषा नतान्यासिंह की 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-2
3. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-3
4. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'बदली है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-4
5. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-3
6. 'बनाकेक्यूं बिगाड़ा रे' गीत वाली फिल्म-3
9. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-3
11. 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-2
12. 'खाई है रे हमने' गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-3
13. फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-3
14. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की 'झूम झूम के नाचो आज' गीत वाली फिल्म-3
16. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-3
18. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-2
21. 'मेरे तो गिरधर गोपाल' गीत वाली फिल्म-2
22. मनोजकुमार, साधना की फिल्म-4
23. 'जो उनकी तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-4
24. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-2
26. 'सुना था देखा ना था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-2
27. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-2
28. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 1974

दूसरी तिमाही में पेटीएम का घाटा बढ़कर 473 करोड़

नई दिल्ली । पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस का 30 सितंबर, 2021 को समाप्त दूसरी तिमाही में एकीकृत घाटा बढ़कर लगभग 473 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी को 436.7 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। शेयर बाजार को दी सूचना में कंपनी ने कहा कि दूसरी तिमाही के दौरान उसकी कुल आय 49.6 प्रतिशत बढ़कर 1,086.4 करोड़ रुपए हो गई, जो 2020-21 की इसी तिमाही में 663.9 करोड़ रुपए थी। शुक्रवार को बीएसई में कंपनी का शेयर 0.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,781.15 रुपए पर बंद हुआ।

नूपुर रिसाइकलर्स दिल्ली-एनसीआर में 200 ईवी चार्जिंग केंद्र खोलेगी

नई दिल्ली । घरेलू इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में प्रवेश करने के साथ नूपुर रिसाइकलर्स, ईवीआई टेक्नोलॉजीज के साथ मिलकर 200 चार्जिंग केंद्र समेत कई बैटरी अदला-बदली स्टेशन स्थापित करने की योजना बना रही है। कंपनी ने कहा कि इन चार्जिंग केंद्रों को लगाने का काम दिल्ली के द्वारका इलाके में शुरू भी हो गया है और जल्द ही इन्हें दिल्ली-एनसीआर में स्थापित किया जाएगा। कंपनी का लक्ष्य चालू वित्तीय वर्ष के ओ खिरी तक अन्य प्रमुख शहरों में चार्जिंग केंद्र के साथ-साथ बैटरी अदला-बदली स्टेशनों की स्थापना का विस्तार करना है। कंपनी ने कहा कि वह बिजली से चलने वाले दोपहिया, तिपहिया, इलेक्ट्रिक रिक्शा के लिए बैटरी बदलने की सुविधा तथा चार पहिया वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन की सुविधा की पेशकश करेगी।

आवासीय इकाई जॉयविले 300 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली। निर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी शापूरजी पालोनजी की आवासीय इकाई जॉयविले अपने नए चरण के तहत 750 नए फ्लैट्स निर्माण के लिए करीब 300 करोड़ रुपए का निवेश करने पर विचार कर रही है। कंपनी पुणे, मुंबई और कोलकाता में यह निवेश कर रही है। जॉयविले देश में आकांक्षी आवासीय परियोजनाओं को विकसित करने वाला 1,240 करोड़ रुपए का एक प्लेटफार्म है। यह प्लेटफार्म शापूरजी पालोनजी, एडीबी, आईएफसी और एक्टिस ने खड़ा किया है। कंपनी ने अभी तक छह परियोजना शुरू की है। जॉयविले शापूरजी हाउसिंग के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कंपनी जल्द ही अपनी चल रही आवासीय परियोजनाओं में विकास के नए चरण शुरू करेगी। उन्होंने कहा` कि कंपनी जॉयविले हडपसर (पूर्वी पुणे), जॉयविले विरार (मुंबई के पास) और जॉयविले हावड़ा (कोलकाता के पास) अपनी तीन परियोजनाओं में नए चरण शुरू करेगी। हम इन तीन परियोजनाओं के नए चरणों में 750 से अधिक फ्लैट बनाने की योजना बना रहे हैं। निवेश की कुल रकम 300 करोड़ रुपए के आसपास होगी और हमें बिक्री से 400 करोड़ रुपए जुटाने की उम्मीद है।

अब हमारे मंच पर भी आ रहे प्रतिस्पर्द्धी कंपनियों के बड़े व्यापारी: पेटीएम

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान और वित्त सेवा कंपनी पेटीएम ने दावा किया है कि उसकी प्रतिस्पर्धी कंपनियों के बड़े व्यापारी भी अब उसके मंच पर आ रहे हैं। पेटीएम के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि कंपनी को अपने भुगतान उत्पादों के साथ मध्य-स्तरीय बाजार और स्टार्ट-अप क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने का बड़ा अवसर दिखाई दे रहा है। पेटीएम के एक अे धिकारी ने कहा कि कंपनी वीजा, मास्टर और पीसीआई, एमेक्स, यूपीआई जैसे सभी भुगतान नेटवर्क के लिए सबसे बड़े भागीदारों में से एक है। यही कारण है कि फ्लिपकार्ट और अन्य बड़ी कॉरपोरेट कंपनियां पेटीएम भुगतान समाधान का उपयोग कर रही हैं। वहीं पेटीएम के समूह मुख्य वित्त अधिकारी एवं अध्यक्ष मधुर देवड़ा ने इससे पहले कहा था कि हम देख रहे हैं कि बड़े व्यापारी भी पेटीएम से शुरुआत कर रहे हैं। इनमें ऐसे भागीदार भी हैं जो कई वर्षों से अन्य कंपनियों के साथ जुड़े हुए थे।

भारती एक्सा लाइफ ने कोविड से संबंधित दावों के रूप में 106 करोड़ रुपये का निपटारा किया

चेन्नई (एजेंसी)।

जीवन बीमा कंपनी भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने सोमवार को कहा कि उसने वित्त वर्ष 22 की पहली छमाही के दौरान कोविड-19 से संबंधित दावों में 106 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। कंपनी ने यह भी कहा कि उसने इसी अवधि के दौरान कुल 1,023.88 करोड़ रुपये का प्रीमियम अर्जित किया था, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान अर्जित 912.39 करोड़ रुपये से अधिक था। भारती एक्सा लाइफ के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि के दौरान इसका 13वें महीने का निरंतरता अनुपात (नीति निरंतरता) सुधरकर 64.4 प्रतिशत हो गया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 60.7 प्रतिशत था। 30 सितंबर, 2021 को कंपनी का सॉल्वेंसी रेश्यो 188 फीसदी था, जो कि 150 फीसदी की रेगुलेटरी जरूरत से काफी ज्यादा है। 30 सितंबर, 2021 को प्रबंधन के तहत कंपनी की संपत्ति 10,256 करोड़ रुपये थी, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 7,987 करोड़ रुपये थी। पराग राजा, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के अनुसार, अगस्त 2021 से कोविड -19 महामारी की स्थिति में सुधार, जीवन बीमा की आवश्यकता के प्रति उत्साही उपभोक्ता भावना और डिजिटल प्लेटफॉर्म में निवेश आने वाले महीनों में व्यवसाय को बढ़ाने का विश्वास दिलाता है।

सोना और चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । शादियों के सीजन के बीच सर्राफा बाजार में सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोने के भाव में गिरावट आई। सोना 348 रुपए गिरकर 48118 पर कारोबार करता नजर आया। वहीं चांदी सस्ती होकर 63095 रुपए किलो पर खुली। 24 कैरेट सोने का भाव 47,118 रुपए पर खुला। बीते शुक्रवार को सर्राफा बाजार में सोने का दाम 48,466 रुपए पर बंद हुआ। सोमवार को दाम में 348 रुपए की गिरावट आई। 23 कैरेट गोल्ड की औसत कीमत 47925 रुपए रही। अब 22 कैरेट सोने का हाजिर भाव 44076 रुपए रहा। वहीं 18 कैरेट का भाव 36089 रुपए पर पहुंच गया। 14 कैरेट गोल्ड की कीमत 28149 रुपए रही। सर्राफा बाजार में एक किलोग्राम चांदी का रेट 63095 रुपए रहा। इससे पहले के कारोबार में चांदी 63612 रुपए पर बंद हुई। चांदी में 517 रुपए की गिरावट आई।

एक दिसंबर से महंगी होने वाली हैं माचिस समेत कई रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीजें

नई दिल्ली (एजेंसी)।

साल के आखिरी माह यानी दिसंबर के शुरू होने में अब चंद दिन बचे हैं। नए महीने में आम लोगों को महंगाई की मार झेलनी पड़ेगी। दरअसल, माचिस समेत रोजमर्रा से जुड़ी कई चीजें महंगी होने वाली हैं। आइए जानते हैं कि 1 दिसंबर से क्या कुछ महंगा हो जाएगा। एक दिसंबर से माचिस के दाम 1 रुपए बढ़ जाएंगे। इस बढ़ोतरी के बाद माचिस की नई कीमत 2 रुपए होगी। करीब 14 साल बाद कीमत में बढ़ोतरी हुई है। आखिरी बार साल 2007 में माचिस की कीमत में 50 पैसे की बढ़ोतरी हुई थी। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने बचत खाताधारकों को बड़ा झटका दिया है। दरअसल, सेविंग्स अकाउंट की ब्याज दरों में कटौती की गई है। अब सालाना ब्याज दर 2।90 फीसदी से घटकर 2।80 फीसदी हो गई है। नई दरें 1 दिसंबर से लागू होंगी। देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं, तो 1 दिसंबर से झटका लगने वाला है। एसबीआई की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक हर खरीदारी पर 99 रुपए और टैक्स अलग से देना होगा। यह प्रोसेसिंग चार्ज होगा। दिसंबर महीने में एलपीजी गैस की कीमत में भी बदलाव हो सकता है। इस बात की आशंका है कि एक बार फिर एलपीजी के दाम बढ़ सकते हैं। इसके अलावा एटीएफ यानी जेट ईंधन भी महंगा हो सकता है

लॉन्च से पहले सैमसंग गैलेक्सी एस22 फोन के डिस्प्ले साइज का खुलासा

सियोल (एजेंसी)।

सैमसंग अपने अगले प्रीमियम फ्लैगशिप, गैलेक्सी एस 22, गैलेक्सी एस 22 प्लस के साथ-साथ गैलेक्सी एस 22 अल्ट्रा को लॉन्च करने की योजना बना रहा है। अब एक नई रिपोर्ट में आगामी सीरीज स्मार्टफोन के डिस्प्ले साइज का दावा किया गया है। सूत्रों के अनुसार, गैलेक्सी एस22 में 6.06-इंच ओएलईडी डिस्प्ले फुल एचडी प्लस रिजॉल्यूशन के साथ आने की उम्मीद है, जो कि अब तक का सबसे छोटा विकर्ण है। एस22 प्लस में एस21 प्लस की 6.67-इंच की तुलना में 6.55-इंच की डिस्प्ले होगी। जीएसएमअरेना की रिपोर्ट के अनुसार, गैलेक्सी एस22 और एस22 प्लस कैमरा सेटअप शायद अपने वर्टिकल लेआउट को बरकरार रखेगा। वहीं, गैलेक्सी एस22 अल्ट्रा में 6.81 इंच की स्क्रीन होगी। सैमसंग ने तीन आगामी फ्लैगशिप फोन के लिए बड़े पैमाने पर कलपुर्जो का उत्पादन शुरू कर दिया है। कंपनी लेटेस्ट फ्लैगशिप फोन के 20 मिलियन यूनिट का उत्पादन करने की योजना बना रही है। लगभग 50 प्रतिशत या अधिक उत्पादन और शिपिंग बेस गैलेक्सी एस22 के लिए होगा। यह मॉडल कथित तौर पर अपने पूर्ववर्ती गैलेक्सी एस 21 पर 6.2 इंच की तुलना में 6.1 इंच के छोटे डिस्प्ले को स्पोर्ट करेगा। प्लस संस्करण का उत्पादन और शिप की जाने वाली पूरी श्रृंखला की कुल इकाइयों का 20 प्रतिशत हिस्सा होगा, जबकि गैलेक्सी एस 22 अल्ट्रा शेष 20 से 30 प्रतिशत के लिए तैयार होगा। लाइनअप में स्मार्टफोन कथित तौर पर जनवरी 2022 से खरीदने के लिए उपलब्ध होंगे और सीरीज के सभी मॉडल क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 898 चिपसेट द्वारा संचालित होने की उम्मीद है। विनिर्देशों के संदर्भ में, आगामी सीरीज में 3 एक्स ऑप्टिकल जूम क्षमताओं के साथ एक नया 10 एमपी टेलीफोटो सेंसर हो सकता है। सैमसंग गैलेक्सी एस22/एस22 प्लस मॉडल पर एक अलग दृष्टिकोण लेने की योजना बना रहा है जो अगले साल की शुरुआत में आएगा। गैलेक्सी एस22 सीरीज के स्मार्टफोन में 10 एमपी का टेलीफोटो लेंस होगा जो गैलेक्सी एस20/एस21 युग के हाइब्रिड जूम के बजाय 3 एक्स ऑप्टिकल जूम को सपोर्ट करता है। पिछली अफवाहों ने सुझाव दिया था कि गैलेक्सी एस 22 अल्ट्रा में गैलेक्सी एस 21 अल्ट्रा पर दोहरी 10-मेगापिक्सल टेलीफोटो कैमरा सेटअप जारी रखने की उम्मीद है। इनमें से एक लेंस पेरिस्कोप लेंस होगा जो 10 एक्स ऑप्टिकल जूम की पेशकश करेगा।

वैश्विक ऑटोमोटिव सेंसर बाजार 2026 तक 92 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा : रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

स्वचालित वाहनों और एडीएएस (एडवान्स्ड ड्राइवर एसिस्टेंस सिस्टम्स) को सक्षम करने वाले सेंसर द्वारा संचालित, वैश्विक ऑटोमोटिव सेंसर बाजार 2021 में 30 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2026 तक 92 बिलियन डॉलर से अधिक बढ़ने के लिए तैयार है। सोमवार को एक नई रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई। वाहन स्वचालन और एडीएएस सेंसर से अधिकांश राजस्व सीएमओएस इमेज सेंसर (इमेज पहचान के लिए उपयोग किए जाने वाले कैमरे) से आएगा, जो अल्पावधि में कई स्थितियों में लीडर (लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग) की तुलना में अधिक लागत प्रभावी रहेगा। जूनिपर रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, सीओपी 26 जलवायु सम्मेलन की पहल के बाद 2030 तक देशों को 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन बिक्री में स्थानांतरित करने के लिए आंतरिक दहन इंजनों में विभिन्न वाहन सुरक्षा मापदंडों की निगरानी करने वाले सेंसरों को वाहनों के बढ़े हुए विद्युतीकरण से काफी गिरावट का अनुभव होगा। शोध सह-लेखक माइल्स एगबनरिन ने कहा, विद्युतीकरण आने वाले वर्षों में कई सेंसर प्रदाताओं के लिए खेल को बदल देगा। एग्बनरीन ने कहा, इलेक्ट्रिक वाहनों में हवा की निगरानी की कम आवश्यकता के साथ, सेंसर निर्माताओं को बैटरी निर्माताओं और उन तत्वों के साथ नए संबंध विकसित करने की आवश्यकता होती है, जिन्हें उन प्रणालियों के लिए निगरानी की आवश्यकता होती है, या राजस्व में गंभीर नुकसान का सामना करना पड़ता है। जुनिपर रिसर्च को उम्मीद है कि 2026 में भेजे गए एक तिहाई से अधिक उपभोक्ता वाहन इलेक्ट्रिक होंगे। इसका मतलब है कि इंजन की स्थिति की निगरानी के लिए विभिन्न सेंसर की आवश्यकता होगी, जिसके परिणामस्वरूप पारंपरिक ओ 2 और एनओएक्स सेंसर की मांग में गिरावट आई है। हालांकि, यह परिवर्तन वाणिज्यिक वाहनों के लिए अधिक समय लेगा, जहां आंतरिक दहन इंजन लंबे समय तक आदर्श बने रहेंगे।

भारत में 12,999 रुपये में लॉन्च हुआ मोटो जी31 स्मार्टफोन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मोटोरोला ने सोमवार को एक नया स्मार्टफोन मोटो जी31 लॉन्च किया जिसमें मीडियाटेक प्रोसेसर, पीछे ट्रिपल कैमरा यूनिट और 5,000 एमएएच की बैटरी है। स्मार्टफोन की भारत में कीमत 4 जीबी रैम प्लस 64 जीबी स्टोरेज विकल्प के लिए 12,999 रुपये और 6जीबी रैम प्लस 128 जीबी स्टोरेज विकल्प के लिए 14,999 रुपये है। कंपनी ने एक बयान में कहा, मोटो जी31 मोटोरोला के सिग्नेचर नियर-स्टॉक एंड्रॉइड के साथ आता है जो विज्ञापन-मुक्त और ब्लोटवेयर-मुक्त है। हमारे उपभोक्ताओं के लिए सुरक्षा मायने रखती है, इसलिए यह हमारे लिए सब कुछ है। अब आप मोबाइल के लिए थिंकशील्ड पर भरोसा कर सकते हैं, जो हर समय बेहतर सुरक्षा प्रदान करता है। सुविधाओं के संदर्भ में, स्मार्टफोन में 6.4 इंच का फुल-एचडी प्लस (1,080 एक्स 2,400 पिक्सल) ओएलईडी होल-पंच डिस्प्ले है जिसमें 60 हट्र्ज ताजा दर और 20÷ 9 एस्पेक्ट रेशियो है। मोटो जी31 एंड्रॉइड 11 स्टॉक सॉफ्टवेयर पर चलता है और इसमें हाइब्रिड डुअल-सिम स्लॉट (नैनो प्लस नैनो/माइक्रोएसडी) है। हुड के तहत, डिवाइस एक मीडियाटेक हेलियो जी85 एसओसी द्वारा संचालित होता है जिसे आर्म माली-जी52 एमसी2 जीपीयू और 6 जीबी रैम, 128 जीबी इंटरनल स्टोरेज के साथ जोड़ा जाता है। मोटो जी31 में 50 एमपी का मुख्य सेंसर, 8 एमपी का वाइड-एंगल कैमरा और 2 एमपी का मैक्रो सेंसर है। रियर कैमरा मोड में डुअल कैप्चर, स्पॉट कलर, नाइट विजन, पोर्ट्रेट और बहुत कुछ शामिल हैं। फ्रंट में 13 एमपी का सेल्फी कैमरा है। स्मार्टफोन में 20 वॉट टर्बोपॉवर फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 5,000 एमएएच की बैटरी है। कनेक्टिविटी विकल्पों में 4जी एलटीई, एफएम रेडियो, 3.5 मिमी ऑडियो जैक, ब्लूटूथ वी5, डुअल-बैंड वाई-फाई 802.11 एसी, यूएसबी टाइप-सी पोर्ट और बहुत कुछ शामिल हैं।

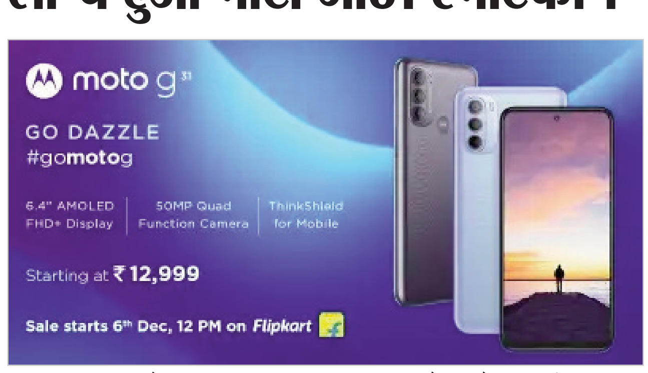

16 तनावग्रस्त सहकारी बैंकों के ग्राहकों को पांच लाख का जमा बीमा कवर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की अनुषंगी इकाई डीआईसीजीसी से संबंधित एक नए कानून के तहत 16 तनावग्रस्त सहकारी बैंकों के ग्राहकों को सोमवार से पांच लाख रुपए तक का जमा बीमा कवर मिलेगा। जमा बीमा एवं ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) ने इसके लिए पहले 21 बैंकों की एक सूची बनाई थी। लेकिन पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक समेत पांच अन्य सहकारी बैंकों को समाधान प्रक्रिया से गुजरने के कारण इस सूची से बाहर कर दिया गया। संसद ने पिछले महीने जमा बीमा और क्रेडिट गारंटी निगम (संशोधन) विधेयक, 2021 पारित किया था, जिसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि आरबीआई द्वारा बैंकों पर निषेध लगाने के 90 दिनों के भीतर खाताधारकों को पांच लाख रुपए मिलें। यह कानून एक सितंबर 2021 से लागू हुआ है, और इससे 90 दिनों की समयावधि 30 नवंबर 2021 को पूरी होगी तथा पहले चरण में भुगतान के लिए 90 दिनों की अवधि 30 नवंबर को पूरा हो रही है। डीआईसीजीसी की तरफ से जारी एक नोटिस के अनुसार इन बैंकों के जिन जमाकर्ताओं ने अभी तक अपने दावे जमा नहीं किए हैं, वे अपने संबंधित बैंकों से संपर्क कर सकते हैं। उसने कहा` कि जमाकर्ताओं को पहचान के लिए आधिकारिक रूप से वैध दस्तावेज तथा उनके खाते में जमा राशि प्राप्त करने के लिए लिखित सहमति देनी होगी, जो अधिकतम पांच लाख रुपए हो सकती है। ग्राहकों को अपने एक अलग बैंक खाते की जानकारी भी देनी होगी जिसमें पैसे भेजे जा सकें। डीआईसीजीसी के अनुसार वैध दस्तावेज जमा करने वाले जमाकर्ताओं को आधार कार्ड से जुड़े दूसरे बैंक खाते में राशि भेजी जाएगी।

विदेश में बड़ी डील की तैयारी में रिलायंस जियो

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश के दूरसंचार बाजार में तहलका मचाने के बाद रिलायंस जियो की नजर अब विदेशी बाजारों पर है। बताया जा रहा है` कि एशिया के सबसे अमीर शख्स मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली यह कंपनी ब्रिटेन के टेलिकॉम ग्रुप बीटी (बीटी) पर बोली लगाने की संभावना तलाश रही है। इसे पहले ब्रिटिश टेलिकॉम के नाम से जाना जाता था। दो महीने पहले ही रिलायंस ने टी-मोबाइल की डच यूनिट को खरीदने के लिए बोली लगाई थी लेकिन इसमें एक अन्य पीए कंसोर्टियम ने बाजी मार ली थी। मगर इससे साफ हो गया था कि अंबानी की नजर विदेशी बाजार पर है। अंबानी ने हाल में लंदन में स्टोक पार्क को 5.7 करोड़ पौंड में खरीदा था। अगर रिलायंस बीटी का अधिग्रहण करती है तो यह किसी भारतीय कंपनी का विदेश में सबसे बड़ी अधिग्रहण और विलय डील होगी। बीटी ग्रुप एफटीएसई 100 कंपनी है जिसका मौजूदा मार्केट कैप 20.63 अरब डॉलर है। हालांकि सूत्रों का कहना है कि इस पर अभी शुरुआती बातचीत चल रही है और जरूरी नहीं है कि यह अंजाम तक पहुंचे। अभी यह साफ नहीं है कि अंबानी ने बीटी के सीईओ फिलिप जैनसन और पद छोड़ने जा रहे चेयरमैन जैन डू प्लेसिस से मुलाकात की है या नहीं। बीटी ब्रिटेन में फिक्स्ड लाइन टेलिकॉम सर्विसेज की ऑपरेटर है। इसके साथ ही कंपनी ने फाइबर ब्रॉडबैंड, आईपी टीवी, टेलिविजन और स्पोट्र्स ब्रॉडकास्टिगं और मोबाइल सर्विस सर्विसेज भी देती है। कंपनी का कारोबार 170 से अधिक देशों में फैला है।

असम में अब काला चावल का उत्पादन

नई दिल्ली/गुवाहाटी (एजेंसी)।

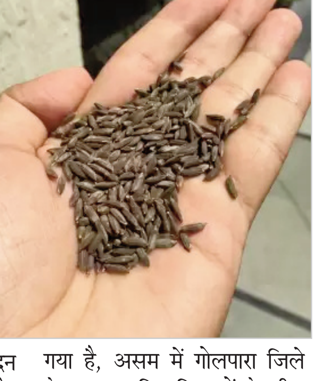

काला चावल असम की मिट्टी और मौसम की स्थिति के लिए अच्छी तरह से अनुकूल है, इसके वाणिज्यिक उत्पादन के लिए एक बड़ा अवसर है। विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित असम कृषि व्यवसाय और ग्रामीण परिवर्तन परियोजना (एपीएआरटी) ने भारत के विभिन्न राज्यों से काले चावल की नई किस्मों का उत्पादन शुरू कर दिया है। आईआरआरआई ने एक विज्ञप्ति में कहा कि परियोजना से अगले सप्ताह के भीतर फसल की कटाई होने की उम्मीद है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई) ने एपीएआरटी के तहत असम सरकार के साथ इस महत्वाकांक्षी सहयोग की शुरुआत की है। उपलब्ध कई किस्मों में से काले चावल ने अपने उच्च पोषण मूल्य के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में बाजार में मांग में वृद्धि देखी है। भारत मुख्य रूप से चावल का उत्पादन करने वाला देश है, इसकी कई किस्में हैं, जिनमें से प्रत्येक में अलग-अलग पोषण गुण, विशेषताएं और जलवायु प्राथमिकताएं हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है, असम में गोलपारा जिले के कुछ चयनित किसानों के बीच 60 किलो मणिपुरी काला चावल, 30 किलो कलामलीफुला और 22 किलो कलावती प्रदान किया गया। काले चावल की किस्म मणिपुर से लाया गया है, जबकि अन्य दो काले चावल की किस्में कलामलीफुला और कलावती ओडिशा से पेश की गई थीं। इन किस्मों के बीज कुल 17.6 बीघा भूमि पर बोए गए थे, जिसमें 10 बीघा में मणिपुरी काला चावल, 3.6 बीघा में कलावती और 4.0 बीघा में कलामलीफुला प्रदर्शन भूखंडों के रूप में शामिल थे। इन प्रदर्शनों का उद्देश्य किसानों को उच्च रिटर्न के लिए खरीदारों से जोड़ना और भविष्य में उपयोग के लिए अच्छी गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एशेज के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहा हूं : इंगलिस

सिडनी। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर जोश इंग्लिस ने कहा है कि एशेज सीरीज के लिए वह सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे, क्योंकि वह क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के चयन पैनल के फैसले का इंतजार कर रहे हैं कि टीम के लिए टेस्ट में कौन विकेटकीपिंग करेगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम में विकेटकीपर की जगह तब खाली हो गई जब टिम पेन ने क्रिकेट तस्मानिया के एक पूर्व कर्मचारी से जुड़े एक विवाद के बाद क्रिकेट से अनिश्चितकालीन ब्रेक लेने का फैसला किया। 26 वर्षीय इंग्लिस के अलावा, ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स कैरी भी विकेटकीपिंग के चयन के लिए मैदान में हैं जिसमें कैरी को एक चयनकर्ता का समर्थन मिला है। इंगलिस ने सोमवार को एसईएन पर कहा मैं खेल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की तैयारियों में लगा हुआ हूं, जबकि इंगलिस का अभी ऑस्ट्रेलिया के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलना बाकी है, उन्हें ऑस्ट्रेलिया ए टीम में चुना गया है और उनके पास 8 दिसंबर से शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट में खेलने का अच्छा मौका है। इंगलिस ने रेड-बॉल में पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के लिए घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्होंने 2020/21 शेफील्ड शील्ड सीजन में 73 की औसत से 585 रन बनाए हैं।

सात्विक-चिराग ने बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के लिए किया क्वालीफाई

बाली (एजेंसी)। दुनिया की 11वें नंबर की जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बुधवार से शुरू हो रहे सत्र के आखिरी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में जगह बना ली है। सात्विक और चिराग इंडोनेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। जापान के अकिरा कोगा और ताइची सेइतो के भी सेमीफाइनल में हारने के बाद उन्होंने जगह बनाई। उन्होंने जापानी जोड़ी को 'रोड टू बाली रेस' में पछाड़ा। उन्हें कट में प्रवेश के लिये सेमीफाइनल में दुनिया की नंबर एक जोड़ी मार्कस एफ गाइडोन और केविन एस को हराना था लेकिन वे 16.21, 18.21 से हार गए। अकिरा और ताइची भी जापान के ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी से हार गए जिससे भारतीय जोड़ी को जगह मिल गई।

चिराग ने इंस्टाग्राम पर लिखी, 'हम पहली बार विश्व टूर फाइनल्स खेलेंगे। दुनिया की शीर्ष आठ जोड़ियों के खिलाफ खेलने को लेकर रोमांचित हूं। सभी को सहयोग के लिये धन्यवाद।' इससे पहले लक्ष्य सेन 15 लाख डॉलर ईनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले सबसे युवा भारतीय बन गए। इसमें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू, किदाम्बी श्रीकांत, महिला जोड़ी अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी भी भाग ले रहे हैं। सिंधू ने 2018 में बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स जीता था जबकि साइना नेहवाल 2011 में खिताबी मुकाबले तक पहुंची थी। श्रीकांत और समीर वर्मा नॉकआउट चरण तक पहुंचे हैं।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम चिली से 0-3 से हारी

मनाउस (ब्राजील) (एजेंसी):

भारतीय महिला फुटबॉल टीम को बेहतर प्रदर्शन करने के बावजूद सोमवार को यहां अमेजन एरेना में चार देशों के टूर्नामेंट के अपने दूसरे मैच में चिली के खिलाफ 0-3 से शिकस्त झेलनी पड़ी। स्ट्राइकर मारिया उरुतिया (14वें मिनट) ने चिली को पहले हाफ में बढ़त दिलाई जबकि इसिदोरा हर्नांडेज और कारेन अराया ने क्रमशः 84वें और 85वें मिनट में गोल दागकर भारत की वापसी की उम्मीदें तोड़ दी। भारत ने ब्राजील के खिलाफ शिकस्त झेलने वाली टीम की शुरुआत एकादश में तीन बदलाव करते हुए गोलकीपर अदिति चौहान की जगह एम लिनतोइगांबी देवी को मौका दिया जबकि कमला देवी और डेंगमेई ग्रेस की जगह मार्टिना थोकचोम और मनीषा पन्ना को खिलाया। भारत के लिए पहला मौका ब्राजील के खिलाफ गोल करने वाली मनीषा कल्याण ने बनाया लेकिन छठे मिनट में उनका शॉट सीधा विरोधी गोलकीपर के हाथों में चला गया। चिली ने इसके बाद मैच पर नियंत्रण बनाया। दाएं छोर से मारिया रोजस के क्रॉस पर जेविएरा टोरो के प्रयास को लिनतोइगांबी ने नाकाम किया। एक मिनट बाद हालांकि चिली ने रोजस के पास पर मारिया के गोल से बढ़त बना ली। मध्यांतर तक चिली की टीम ने 1-0 की बढ़त बरकरार रखी। दूसरे हाफ के 66वें मिनट में भारत ने अच्छा मूव बनाया। मनीषा ने गेंद को 20 साल की स्थानापन्न खिलाड़ी डेंगमेई की ओर बढ़ाया लेकिन उनके शॉट को एंडलर ने रोक दिया। हालांकि जब लग रहा था कि भारत हार के अंतर को कम रखने में सफल रहेगा तब चिली ने दो मिनट के भीतर दो गोल दागकर 3-0 से जीत सुनिश्चित की। भारत अपना अंतिम मैच गुरुवार को वेनेजुएला के खिलाफ खेलेगा।

बाली में इंडोनेशियाई ओपन टेनिस में जीत के बाद उत्साहित जापान की शिडे शिहारु और मैटसयूमा नामी।

अहमदाबाद फ्रेंचाईजी को लेकर फंसा पेच,बीसीसीआई कारवाई के मूड में

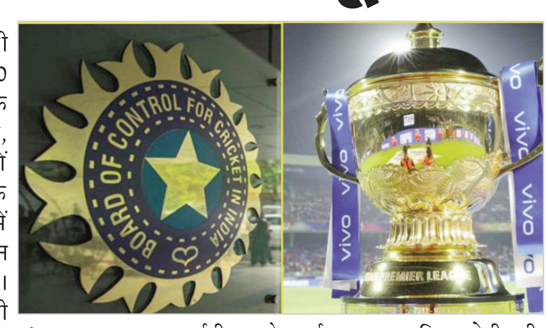

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से सीवीसी स्पोर्ट्स मामले को भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के पास भेजे जाने की जानकारी सामने आई है, जो केंद्र सरकार से न जुड़े होने वाले मामलों में बोर्ड का प्रतिनिधित्व करते हैं। मौजूदा जानकारी के मुताबिक सॉलिसिटर जनरल ने इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है, लेकिन समझा जाता है कि उन्होंने बीसीसीआई को अन्य कानूनी राय लेने की सलाह दी है, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती है कि क्या बोर्ड सच में अन्य राय ले रहा है या नहीं, पर मामले से जुड़े जानकारों ने संकेत दिया है कि कानूनी विशेषज्ञों की एक समिति के साथ इस मसले को जल्द ही सुलझा लिया जाएगा। समझा जाता है कि अगर इस मामले में थोड़ी और देर होती है तो मौजूदा आठ आईपीएल टीमों के लिए खिलाड़ियों के रिटेंशन की समय सीमा, जो कि 30 नवंबर है, को एक हफ्ते के लिए बढ़ाया जा सकता है, ताकि नई फ्रेंचाइजियों अहमदाबाद और लखनऊ दोनों को इतने ही दिनों में अपने खिलाड़ियों के चयन का समय मिल सके। उल्लेखनीय है कि सीवीसी स्पोर्ट्स जिसने 5625 करोड़ रुपए में अहमदाबाद फ्रेंचाइजी का स्वामित्व हासिल किया था, को अभी तक बीसीसीआई से मंजूरी पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। यह भी समझा जाता है कि अमेरिकी कंपनी बीसीसीआई को यह समझाने की कोशिश कर रही है कि ब्रिटेन की सट्टेबाजी कंपनी में उसका निवेश अवैध नहीं है। बीसीसीआई के सीवीसी स्पोर्ट्स मुद्दे को सॉलिसिटर जनरल के पास भेजने के पीछे आईपीएल के पूर्व अध्यक्ष ललित मोदी की टिप्पणियों को कारण माना जा रहा, जिसमें उन्होंने ब्रिटेन की एक सट्टेबाजी कंपनी में सीवीसी स्पोर्ट्स के निवेश पर सवाल उठाया था। परिणामस्वरूप अब गतिरोध इस बात को लेकर है कि क्या सीवीसी को स्वामित्व देने का निर्णय भारत में कानूनी जांच के योग्य होगा और क्या सीवीसी का ब्रिटेन की सट्टेबाजी कंपनी में निवेश इसमें बाधा है।

संक्षिप्त समाचार

आईएसएल लीगः बेंगलुरू ने केरला के साथ 1-1 से ड्रा मैच खेला

बम्बोलिम (गोवा)। बेंगलुरु एफसी और केरला ब्लास्टर्स एफसी ने रविवार को गोवा के बम्बोलिम के एथलेटिक स्टेडियम में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के 2021-22 मैच में 1-1 से ड्रॉ मैच खेला। चार मिनट में बेंगलुरु एफसी फॉरवर्ड आशिक कुरुनियान (84 और 88 ओन गोल) ने पहले अपनी टीम के लिए और फिर विपक्ष के लिए गोल किया। बेंगलुरु के अब तीन मैचों में चार अंक हो गए हैं, लेकिन ब्लास्टर्स अभी भी जीत से वंचित हैं। 88वें मिनट में दोनों टीमों की बराबरी बेंगलुरू एफसी के मुख्य कोच मार्को पेजैउओली को अच्छी नहीं लगी, लेकिन उन्होंने दूसरे पक्ष के खिलाफ बना रहे दबाव वाले प्रदर्शन में अपने टीम के खिलाड़ियों की प्रशंसा की। हालांकि केरला ब्लास्टर्स में भी कुछ बदलाव किए गए। पुइता ने जैकसन सिंह के साथ डबल-पिवट भूमिका में खेला, क्योंकि अल्वारो वाजक्वेज ने जॉर्ज परेरा डियाज की उस समय जगह ली। बेंगलुरु शुरुआत में बेहतर गेंद के साथ शीर्ष पर रहा, लेकिन ब्लास्टर्स ने जैकसन सिंह को लगभग दो मिनट के अंदर मौका दे दिया। आशिक कुरुनियान के खेल ने टीम के साथी हरमनजोत सिंह खाबरा को रोके रखा।

गिलेस्पी ने एलेक्स कैरी की तुलना ऑस्ट्रेलियाई महान खिलाड़ी गिलक्रिस्ट से की

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी को लगता है कि 8 दिसंबर से शुरू होने वाले एशेज सीरीज के लिए 30 साल के विकेटकीपर और बल्लेबाज एलेक्स कैरी टीम में शामिल होने के लिए खुद को साबित किया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम में विकेटकीपर की जगह तब खाली हो गई थी, जब टिम पेन ने क्रिकेट तस्मानिया के एक पूर्व कर्मचारी के साथ हुए विवाद के बाद क्रिकेट से अनिश्चितकालीन ब्रेक लेने का फैसला किया था। गिलेस्पी, जो दक्षिण ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के कोच भी हैं उन्होंने कहा, कैरी को विकेटकीपर बनाने का सही समय है, क्योंकि उन्होंने घरेलू स्तर पर खेलते हुए खुद को साबित किया है। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करने वाले कैरी ने रविवार को क्वींसलैंड के खिलाफ मार्श कप में एक धमाकेदार शतक लगाया, जिसको लेकर गिलेस्पी ने कहा कि उन्हें विकेटकीपर के रूप में ऑस्ट्रेलियाई टीम में अपनी जगह बनानी चाहिए। गिलेस्पी ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के एक रेडियो स्टेशन पर कहा, मैं ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं के लिए नहीं बोल सकता और मुझे नहीं पता कि उनका मानदंड क्या हैं, लेकिन कैरी ने खुद को साबित किया है। उन्होंने आगे कहा, उनको दुनिया भर में अनुभव मिला है। साथ ही, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी भी की है, उन्होंने खेल के अन्य प्रारूपों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और वह कुछ समय के लिए उस ऑस्ट्रेलियाई टीम में भी रहे है जो एशेज में विरोधी टीम के खिलाफ उतरेगी। इसके साथ ही, गिलेस्पी ने ऑस्ट्रेलियाई महान खिलाड़ी एडम गिलक्रिस्ट के साथ भी उनकी तुलना की, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में देर से डेब्यू करने के बावजूद एक बेहतर रिकॉर्ड बनाया था। गिलेस्पी ने कहा, एडम गिलक्रिस्ट को पहली बार टेस्ट टीम में 29 साल की उम्र में चुना गया था, लेकिन वह सालों से वनडे टीम में शामिल थे।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट मैच ड्रा

कानपुर (एजेंसी)।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया कानपुर टेस्ट मैच बेनतीजा रहा। भारत ने दूसरी पारी में कीवियों को 284 रनों का लक्ष्य दिया था। जवाब में कीवी टीम पांचवें दिन के खत्म होने तक मैच को ड्रा कराने में सफल रही।भारत की ओर से दूसरी पारी में रवींद्र जडेजा ने चार सफलताएं अपने नाम कीं। वहीं, आर अश्विन ने तीन विकेट लिए, जबकि अक्षर पटेल और उमेश यादव को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले, पांचवें दिन न्यूजीलैंड की टीम 4/1 से आगे खेलने उतरी और पहले सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया। टॉम लैथम और विलियम सोमरविल ने मिलकर 76 रनों की शानदार साझेदारी की, लेकिन मजबूत होती इस जोड़ी को भारतीय तेज गेंदबाज उमेश यादव ने तोड़ते हुए सोमरविल को पवेलियन भेज दिया। ब्रेक के बाद चौथे नंबर पर आए कप्तान विलियमसन ने लैथम के साथ मिलकर दूसरे सत्र की शुरुआत की और दोनों ने मैच बचाने के लिए बहुत संघर्ष किया। इस बीच, जडेजा ने अपना जादू चलाते हुए लैथम (52) और कप्तान विलियमसन (24) को अपना शिकार बनाया, इनके आउट होने के बाद कीवियों की पारी लड़खड़ाती दिखाई दी, लेकिन अंतिम विकेट के लिए रचिन रवींद्र (18) और एजाज पटेल (4) मैदान में डटे रहे और जिससे भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट मैच ड्रा हो गया।

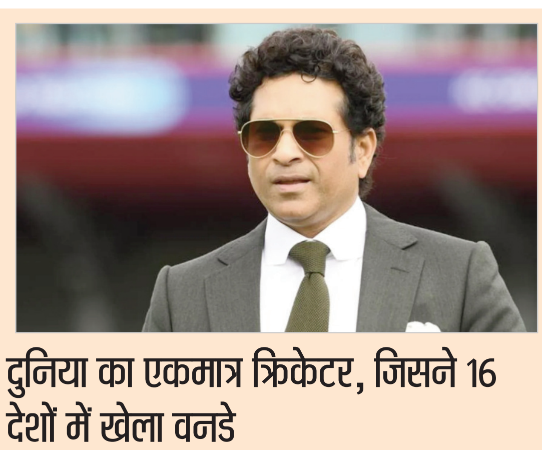

दुनिया का एकमात्र क्रिकेटर, जिसने 16 देशों में खेला वनडे

(एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट जगत में एक से बढ़कर एक खिलाड़ी हुए हैं. भारतीय क्रिकेटरों ने क्रिकेट जगत में कई रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं. लेकिन आज हम आपको उस क्रिकेटर के बारे में बताने वाले हैं जिसने 16 देशों में वनडे मैच खेले हैं और उस क्रिकेटर का नाम जानकर आपको भी गर्व होगा. वह क्रिकेटर कोई और नहीं बल्कि क्रिकेट का भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने संन्यास लेने से पहले 16 अलग-अलग देशों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वनडे मैच खेले. यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह दुनिया के इकलौते खिलाड़ी हैं. सचिन ने जिन 16 देशों में वनडे मैच खेले, वो हैं- ऑस्ट्रेलिया,बांग्लादेश, कनाडा, इंग्लैंड, भारत, आयरलैंड, केन्या, मलेशिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, सिंगापुर,श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात, वेस्टइंडीज, जिम्बाब्वे. सचिन तेंदुलकर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 463 मैच खेले जिसकी 452 पारियों में उन्होंने 18426 रन बनाए. सचिन ने अंतरराष्ट्रीय वनडे में 49 शतक और 96 अर्धशतक भी लगाए. सचिन तेंदुलकर के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन और सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड है. सचिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 100 शतक लगाने वाले विश्व के एकमात्र क्रिकेटर हैं. उनका यह रिकॉर्ड आज तक टूटा नहीं है और शायद निकट भविष्य में टूट भी नहीं पाएगा.

छह श्रीलंकाई महिला क्रिकेटरों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई : एसएलसी

हरारे। यहां विश्व कप क्वालीफाइंग क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लेनी आईं छह श्रीलंकाई महिला क्रिकेटरों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। इन क्रिकेटरों को विश्व कप शुरु होने से पहले ही जांच में संक्रमित पाये जाने के बाद पृथकवास में भेज दिया गया था। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) ने माना है कि इन क्रिकेटरों में संक्रमण किस प्रकार का है यह अभी नहीं पता चला है। एसएलसी ने कहा कि टीम को वापसी लाने के प्रयास किये जा रहे हैं। गौरतलब है कि दक्षिण अफ्रीका में कोविड-19 के नये संस्करण ओमिक्रॉन के सामने आने के बाद कई देशों ने उसके साथ यात्रा प्रतिबंध लगा दिये हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भी जिम्बाब्वे में महिला क्रिकेट विश्व कप क्वालीफाइंग टूर्नामेंट को रद्द कर दिया है। ओमिक्रॉन वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए कई देशों ने सीमा नियंत्रण को कड़ा करने के साथ ही जिम्बाब्वे सहित कई देशों से यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिये हैं। आईसीसी ने वेस्टइंडीज और श्रीलंका के बीच शनिवार के खेल को रद्द करने के बाद शेष विश्व कप क्वालीफायर को रद्द करने का निर्णय लिया था। जब श्रीलंकाई सहयोगी स्टाफ के एक सदस्य को कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाया गया था।

साइमा सैयद बनी देश की पहली वन स्टार राइडर, जीत चुकी हैं कई खिताब

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राजस्थान के नागौर जिले के खाटू कस्बे की रहने वाली साइमा सैयद देश की पहली वन स्टार राइडर बन गई है। एक्वेस्ट्रीयन ऑफ इंडिया तथा ऑल इंडिया और राजस्थानी हॉर्स सोसयटी के गुजरात चैप्टर के तत्वावधान में अहमदाबाद में आयोजित ऑल इंडिया ओपन एंडयोरेंस प्रतियोगिता में साइमा ने यह उपलब्धि हासिल की है। साइमा ने 80 किलोमीटर की रेस पूरी कर कांस्य पदक के साथ क्वालीफाई करके वन स्टार राइडर बनीं। साइमा ने मारवाड़ी घोड़ी अरावली के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। राजस्थान के एक्वेस्ट्रीयन एसोसिएशन के अध्यक्ष राधवेंद्र सिंह ने कहा कि साइमा की इस उपलब्धि से राजस्थान की अन्य महिला घुड़सवारों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। बता दें कि घुड़सवारी की एंड्यूरेंस प्रतियोगिता में पुरुषों और महिलाओं की अलग-अलग प्रतियोगिता नहीं होती बल्कि महिलाओं को भी पुरुषों के साथ ही गेम में हिस्सा लेना होता है। इससे पूर्व साइमा ने 'वंडर वुमैन' का खिताब भी जीता था। साथ ही वह शो जम्पिंग, हेक्स आदि प्रतियोगिताओं में भी भाग लेकर कई पदक जीत चुकी है। वन स्टार बनने के बाद अब सायमा सैयद ऐंड्यूरेन्स की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेगी। साइमा ने इससे पहले 40, 60 और 80 किलोमीटर की प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त हासिल कर इसके लिए क्वालीफाई किया था। साइमा के पिता, सैयद मोइनुल हक, एक कयाकिंग (नौका विहार) एशियाई क्वालीफायर हैं। उसका एक भाई राजस्थान पुलिस की शूटिंग टीम में दूसरा भाई जुनैद सैयद भी राष्ट्रीय स्तर के निशानेबाज हैं और उन्होंने कई पदक जीते हैं। उनकी बड़ी बहन मसीरा सैयद, राष्ट्रीय स्तर की सॉफ्टबॉल खिलाड़ी हैं। एक और बहन सारा सैयद राष्ट्रीय स्तर की तीरंदाज हैं। साइमा के दादा सैयद इमानुल हक स्वतंत्रता सेनानी थे। साइमा का कहना है कि उनके दादा हमेशा लड़कियों को समान अवसर देने के पक्षधर थे। उन्होंने हमेशा कहा कि महिलाओं को भी जीवन में आगे बढने का उतना ही अधिकार है जितना पुरुषों को।

एशेज के पहले टेस्ट मैच में खेलने को लेकर स्टोक्स निश्चित नहीं : जाइल्स

ब्रिसबेन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के प्रबंध निदेशक एशले जाइल्स ने सोमवार को कहा है कि ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के खेल पर निगरानी रखी जाएगी, क्योंकि उन्होंने लगभग पांच महीने से कोई भी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। उनको अंदेशा है कि स्टोक्स एशेज के शुरुआती मैच में खराब प्रदर्शन कर सकते हैं। रविवार को अभ्यास सत्र के दौरान स्टोक्स को हल्की चोट लगी थी, लेकिन जाइल्स ने कहा कि यह चोट गंभीर नहीं थी और यह ऑलराउंडर टीम के साथ अभ्यास सत्र में अच्छा कर रहे हैं। स्टोक्स पांच टेस्ट एशेज के लिए इंग्लैंड की टीम में देर से शामिल हुए क्योंकि वह उंगली की चोट के कारण कई महीनों से क्रिकेट से दूरी बनाई हुई थी। जाइल्स ने एक न्यूज वेबसाइट को बताया, बेन अच्छा कर रहे हैं और उनका पूरी तरह से फीट रहना हमारे लिए बहुत अच्छा है। हमें अभी भी उन पर निगरानी बनाए रखनी पड़ेगी, क्योंकि उन्होंने हाल ही बहुत ज्यादा क्रिकेट नहीं खेला है और वह एशेज सीरीज में खेलने के लिए तैयार है। यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले मैच में कैसा प्रदर्शन करते है। अप्रैल में आईपीएल 2021 में राजस्थान रॉयल्स के लिए क्षेत्ररक्षण करते समय स्टोक्स को चोट लग गई थी, जिसके बाद उनको पूरे टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। इसके बाद उन्होंने अपनी उंगली की सर्जरी करवाई थी। जुलाई में, कोरोना महामारी के बीच स्टोक्स ने कप्तानी का नेतृत्व करते हुए पाकिस्तान को 3-0 से सीरीज हराया था। जाइल्स ने कहा, मैं आशा करता हूं कि वह बेहतर करेंगे। हमें बस बेन के गेम पर ध्यान देना है, जैसा कि हम किसी और पर देंगे। बेन अधिक क्रिकेट नहीं खेले हैं। अगर वह अच्छा करते हैं तो विरोधी टीम को उनको रोक पाना मुश्किल हो जाएगा।

टॉप फूड कम्बीनेशन्स रखेंगे आपको स्वस्थ

यहां हम आपको ऐसे फूड कम्बीनेशन्स के बारे में बता रहे हैं जो आपको स्वस्थ रखने में सहायक होंगें।

कम्बीनेशन – अंडे तथा आम
इससे आपको मिलती है – कठोर त्वचा।
कठोर तथा अच्छी त्वचा पाने के लिए बहुत से उत्पादों की जरूरत नहीं है। आप सिर्फ कुछ अंडों तथा आमों का सेवन करें। अंडे एमीनो एसिड्स से भरपूर होते हैं जो त्वचा में कोलाजैन का निर्माण करने हेतु जरूरी होते हैं। आम में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है जो इन एसिड्स के साथ कोलाजैन के निर्माण को बढ़ाता है। यह कम्बीनेशन शरीर में से नष्ट हुए तत्वों को पुन- निर्मित करने में सहायक होता है जो महत्वपूर्ण ढंग से त्वचा की रंगत को सुधारते हैं।
सेवन – अपने अगले नाश्ते को और पोषक बनाने के लिए आमलेट के साथ एक कप ताजा आम की कतलियों का सेवन करें जिससे आपको पूरे दिन की विटामिन सी की आपूर्ति होगी।

कम्बीनेशन – लाल शिमला मिर्च तथा ब्लैक बीन्स
इससे आपको मिलती है – बढ़िया रोग प्रतिरोधक क्षमता।
सब्जी बाजार में ये बहुत अच्छे दिखते हैं और काफी महंगे भी होते हैं परन्तु इन्हें खरीदने का एक अच्छा कारण है। आप अपनी प्लेट में लाल शिमला मिर्च को शामिल करके रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने वाले प्लांट आयरन का सेवन अधिक करते हैं। ब्लैक बीन्स में मौजूद आयरन शरीर के लिए जज्ब करना थोड़ा कठिन है। फिर भी विटामिन सी से भरपूर लाल शिमला मिर्च आयरन को ऐसी किस्म में बदल देती है जो शरीर के लिए इस्तेमाल करना आसान होता है।
सेवन – ऑनलाइन आपको बहुत सारी रैसिपीज मिल जाएंगी जो ब्लैक बीन्स को लाल शिमला मिर्च के साथ मिक्स करके आपको एक स्वादिष्ट भोजन देंगी।

कम्बीनेशन – एक्सट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल तथा टमाटर
इससे आपको मिलती है – रोगों से बढ़िया सुरक्षा
टमाटरों में चार मुख्य कैरोटीनोएड्स यानी अल्फा कैरोटीन, बीटा कैरोटीन, ल्यूटीन तथा लाइकोपीन के साथ-साथ तीन मुख्य एंटीऑक्सीडैंट्स यानी बीटा कैरोटीन, विटामिन ई तथा विटामिन सी पाए जाते हैं जो आपकी कैंसर तथा हृदय रोग से लडने में सहायता करते हैं। यह रक्षात्मक कैमिकल्स एक्सट्रा वर्जिन ऑयल के साथ लिए जाएं तो बढ़िया हैं। एक्सट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल में स्वास्थ्यवर्धक मोनोसैचुरेटिड फैट्स मौजूद होती हैं।
सेवन – टमाटर का छिलका न उतारें क्योंकि इसमें फाइटो कैमिकल्स होते हैं। एक्सट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल बहुत कम प्रसंस्कृत रूप होता है। इसलिए इसमें बहुत ही लाभदायक यौगिक मौजूद होते हैं। इसे ताप तथा रोशनी से दूर स्टोर करें।

कम्बीनेशन – हरी फूल गोभी तथा टमाटर
इससे आपको मिलती है – कैंसर से सुरक्षा।
हरी फूलगोभी तथा टमाटर में कैंसर से लडने वाले गुण मौजूद होते हैं परन्तु एक अध्ययन से पता चला है कि दोनों का कम्बीनेशन कैंसर से लडने में दोगुणा प्रभाव डालता है। विज्ञानियों ने शोध में पाया कि एक ही वक्त पर टमाटर तथा हरी फूल गोभी का सेवन करने से कैंसर युक्त प्रोस्टेट ट्यूमर्स के विकास की गति बहुत धीमी हो जाती है।
सेवन – डेढ़ कप हरी फूल गोभी का अढ़ाई कप ताजे टमाटरों के साथ पिकका या स्पाघेटी के साथ सेवन करें।

कम्बीनेशन – ग्रीन टी तथा नींबू
इससे आपको मिलता है – एक स्वस्थ हृदय।
ग्रीन टी शक्तिशाली एंटी ऑक्सीडैंट्स कैटेचिन्स का भरपूर स्रोत है जो हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने के लिए जाना जाता है। फिर भी अध्ययनों के अनुसार इन यौगिकों को सिर्फ 20 प्रतिशत ही मानवीय शरीर द्वारा जज्ब किया जाता है। ग्रीन टी में नींबू का रस मिलाने से पता चला है कि कैटेचिन्स का स्तर 80 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।
सेवन – ग्रीन टी तैयार करने के बाद इसमें एक पूरे नींबू का रस निचोड़ें और पीएं।

कम्बीनेशन– जौ का दलिया तथा स्ट्राबेरीका
इससे आपको मिलता है – एक स्वस्थ हृदय।
जौ में दो महत्वपूर्ण फाइटो कैमिकल्स ऐवेनैंथ्रामाइड्स तथा फिनोलिक एसिड्स पाए जाते हैं जो विटामिन सी के साथ मिलकर बुरे कोलैस्ट्रॉल के हानिकारक प्रभावों को कम करते हैं और प्लाक के निर्माण को रोक कर हृदयाघात से आपकी रक्षा करते हैं।
सेवन – सुबह के समय एक कटोरी जौ के दलिए के साथ आधा कप कटी हुई स्ट्रॉबेरीका का सेवन करें।

कम्बीनेशन – दालचीनी तथा होलग्रेन टोस्ट
इससे आपको मिलता है – अतिरिक्त ऊर्जा तथा तेजी से वजन कम होना।
टोस्ट पर दालचीनी छिड़कने से ब्लड शूगर एक स्वस्थ स्तर तक रह सकती है जिससे आपकी ऊर्जा में आने वाली कमी रुकती है और साथ ही आपकी भूख का स्तर भी बाधित होता है। अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लीनिकल न्यूट्रीशन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार दालचीनी भोजन के बाद पेट के खाली होने की दर को धीमा करती है और साथ ही ब्लड शूगर के स्तर को भी कम करती है।
ऐसे करें सेवन – होलग्रेन ब्रैड, ट्रांस फी मारग्रीन तथा एक चम्मच दालचीनी का सेवन करें।

कम्बीनेशन – लहसुन तथा प्याज
इससे आपको मिलती है – पूरे शरीर की सुरक्षा।
इन दोनों सब्जियों में बहुत सारे ऑर्ग्गैनोसल्फर यौगिक तथा हृदय को स्वस्थ रखने वाले प्लांट कैमिकल्स पाए जाते हैं जो आपकी धमनियों को प्लाक से मुक्त रखते हैं। इन यौगिकों में से कुछ में शरीर में से कारसिनोजैन्स को डिटॉक्सीफाई करने की ताकत पाई गई है।
सेवन – अधिकतर भारतीय रसोइयों में लहसुन तथा प्याज का कम्बीनेशन आम देखने को मिलता है। फिर भी यदि आपका मूड कुछ और खाने का हो तो लहसुन तथा प्याज के कम्बीनेशन का सेवन सूप तथा सॉस के माध्यम से भी किया जा सकता है।

कम्बीनेशन – ग्रीन टी तथा काली मिर्च
इससे आपको मिलती है – अत्यधिक पतली कमर।
क्रैश डाइटिंग को भूल जाएं। अपने अगले भोजन में एक कप ग्रीन टी में थोड़ी-सी काली मिर्च मिलाकर पीएं। इस कम्बीनेशन से ई.जी.सी.जी. नामक एंटीऑक्सीडैंट की खपत में बढ़ौतरी होती है। यह एंटीआक्सीडैंट ग्रीन टी में कैलोरी बर्निंग के लिए जाना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि ग्रीन टी में मौजूद यौगिक हार्मोन्स को प्रभावित कर सकते हैं जो भूख तथा संतुष्टि को नियंत्रित करते हैं।
सेवन – अध्ययनों से पता चला है कि आधा छोटा चम्मच काली मिर्च से ग्रीन टी के लाभदायक यौगिकों की खपत में बढ़ौतरी हो सकती है।

जब आपके घर हो किटी पार्टी

एक दिन पहले ही योजना बना लें

सारे काम समय पर और सही ढंग से हों, इसके लिए आपको एक दिन पहले ही योजनानुसार सारी सामग्री एकत्रित कर लेनी चाहिए और घर की साज-सजावट के अलावा पार्टी में खिलाने वाले गेम्स भी तैयार कर लें ताकि पार्टी वाले दिन इन छोटे-मोटे कामों को करने में समय बर्बाद ना हो।

ड्रेस तैयार करें

ऐसा ना हो कि पार्टी की तैयारी करते हुए आप अपनी ड्रेस के बारे में सोचना ही भूल जाएं। दूसरी महिलाओं के आगे आपकी चमक फीकी ना पड़ जाए। ऐसे में आप थीम के हिसाब से किटी के एक दिन पहले ही पहनने वाली ड्रेस तैयार कर लें।

खाने-पीने की चीजें पहले से बना कर रख लें

किटी पार्टी शुरू होने के बाद आप कम से कम समय किचन में बिताएं, इसके लिए जरूरी है कि पार्टी के लिए तैयार किए गए व्यजंनों को ऐसे बर्तनों में पहले से रख लें, जिसे माइक्रोवेव में गर्म किया जा सके।

गेम्स का भी हो मजा

किटी पार्टी में तंबोला के अलावा पेपर फोल्डिंग गेम्स के साथ-साथ हिंदी फिल्मी गानों पर गेम तैयार किए जा सकते हैं।

ऐसे हों आप तैयार

केले को अच्छे से मसलकर उसे 10 से 15 मिनट के लिए फीजर में रख दें, इसके अलावा आलू काटते समय आलू के रस को अपने हाथों पर रगड़ लें। 15 मिनट बाद फीजर में रखे हुए केले के पैक को पूरे चेहरे और गर्दन पर 10 मिनट के लिए लगा लें। 10 मिनट बाद चेहरे पर लगे पैक को ठंडे पानी से धो लें। किचन में खाना बनाते समय महिलाओं के हाथ पूरी तरह चिकनाई और हल्दी वाले हो जाते हैं। आलू का रस लगा लें। इससे हाथों की चिकनाई हटाने में मदद मिलती है।
सर्दी के मौसम में ब्लैक लेगिंग के साथ किसी भी गहरे रंग का लंबा स्वेटर और साथ में स्टोल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इन दिनों चेहरे पर हल्का मेकअप ही अच्छा लगता है। सीनियर ब्यूटीशियन मोनिका का कहना है कि 10 मिनट चेहरे पर लगाया गया केले का पैक डेड स्किन हटाने का काम करता है। पार्टी शुरू होने से पहले चेहरे पर माइस्चराइजर में हल्का फांउडेशन मिलाकर पूरे चेहरे और गर्दन पर लगाएं। हल्का आईलाइनर का इस्तेमाल करते हुए हल्की रंग की लिपिस्टक लगाएं। नाखूनों पर भी हल्के रंग की नेल पॉलिश का इस्तेमाल करें।

पति का काम नहीं करेगा परेशान

रत्नेश अपने करियर में ऊंचाइयों को महसूस करना चाहता है। उसकी पत्नी रुचि का भी यही हाल है, दोनों करियर को बहुत ज्यादा तवज्जो देते हैं। पर दोनों में एक बड़ा अंतर है। दरअसल रुचि काम ऑफिस तक सीमित रखती है, जबकि रत्नेश वर्कोहोलिक की श्रेणी में आते हैं। मतलब सिर्फ काम और काम। वह घर पर हों या ऑफिस में, बात सिर्फ काम की ही करते हैं। न पत्नी के लिए समय और न घर के दूसरे कामों के लिए। कुछ समय पहले इसकी वजह से रुचि खुद को इग्नोर महसूस करने लगी थी। उसको लगने लगा था कि बस, नाम के लिए हम लोग दोस्त और फिर पति-पत्नी बने। अक्सर झगड़े भी होने लगे। पर फिर रुचि ने खुश रहने के कुछ तरीके तलाशे। उसने महसूस किया कि गुस्सा दिखाने की बजाय पति को सपोर्ट करना शायद ज्यादा बेहतर होगा। हो सकता है रुचि का दर्द ही आपका दर्द भी हो। तो आइए जानते हैं उसने आगे और क्या-क्या हल निकाले जो आपके भी काम आ सकते हैं।

जानती हैं उनके काम का नेचर?

इस सवाल का जवाब अगर ना है तो जरा इसे हां में बदलने के बारे में सोचिए। जानिए, आखिर आपके पति के काम का नेचर है कैसा, जो उनको इतना व्यस्त रखता है। कहीं उन्हें ऑफिस में कोई दिक्कत तो नहीं है, कहीं उन पर ही ज्यादातर काम की जिम्मेदारी तो नहीं है। हो सकता है, ऑफिस में सबसे जानकार आपके पति ही हों और इसीलिए उन पर ही सारे काम का बोझ हो। हां, यह सबकुछ जानने के बाद एक काम और करना होगा। उनके सारे काम में लगने वाले समय को जरूर जोडिए। जानिए, इन कामों में आमतौर पर समय कितना लगता है क्योंकि हो सकता है पतिदेव उसी काम में समय ज्यादा लगाते हों। यह सब जानकर या तो आप समझ जाएंगी कि पति सही कारण से ही इतना व्यस्त रहते हैं या फिर आपको उनकी कमियां पता चलेंगी, जिन्हें सुधारने में आप उनकी मदद कर सकती हैं।

घर हो एक आरामदायक जगह

पति घर आएं तो आपके चेहरे पर गुस्से के चलते बारह बजे हों और घर भी अस्त-व्यस्त हो, तो स्थितियां सुधरेंगी नहीं, बल्कि और बिगड़ जाएंगी। ऐसे में जरूरी है कि आप घर का माहौल अच्छा रखें, ताकि जब पति काम की टेंशन से लौटें तो रिलैक्स महसूस कर सकें। खुद अच्छे से तैयार रहें और पति के खानपान और फिटनेस का ध्यान रखें।

आप संतुष्ट हैं?

हो सकता है साथ घूमने जाती सहेलियों को देखकर आपको महसूस होता हो कि 'अरे, बस मैं ही अकेली हूं।' पर जरा भावनाओं पर काबू कीजिए। सबकी जिंदगियां एक सी नहीं हो सकती हैं, सबकी अलग जिम्मेदारी और परिस्थितियां होती हैं और उन्हीं के हिसाब से लोग जिंदगी जीते हैं। इसलिए अकेलेपन वाली भावनाओं को मन में ही रखिए और पति को यह महसूस करवाइए कि आप हमेशा उनके साथ हैं। जब वो फुरसत में होंगे तो जरूर आपके अकेलेपन को महसूस करेंगे और सुधार की पूरी कोशिश करेंगे।

सुझाव तो दे सकती हैं

वो आपके जीवनसाथी हैं, आपने हर मुश्किल में साथ देने का वादा किया है तो उस वादे को निभाइए। वर्कोहोलिक होना उनकी आदत बन गई है, पर इससे वे शरीर और दिमाग दोनों से थक जाते हैं। यह वह समय है जब आपको अपने हिस्से का सपोर्ट दिखाना है। बैठकर पति से बात कीजिए, उनके मन की बातें जानिए, कोई दिक्कत है तो उन्हें सुझाव भी दीजिए।

खुश रहिए और खुश रखिए

जी हां, आप दोनों जितना भी वक्त साथ बिताते हैं उसे खास बनाइए। अपनी तरफ से तो आप इसकी कोशिश कर ही सकती हैं। दो घंटे मिलते हैं तो उसमें भी हंसी-मजाक की बातें, खुश करने के तरीके इन सबको आजमाइए। उन्हें बताइए कि हम दोनों जब साथ होते हैं तो खुश होते हैं। हम दोनों का साथ कितना कीमती और खास है। अपेक्षाओं को खत्म न सही पर कम तो करना ही होगा।

पति के पास काम के अलावा कोई काम नहीं है। उन्हें वर्कोहोलिक का तमगा मिला हुआ। पर यह तमगा आपको पसंद नहीं। हमेशा अकेली-अकेली रह रहकर आप थक चुकी हैं। कुछ पल जो साथ बिताते हैं, उनमें भी झगड़े होते हैं तो जरा इन पलों की कीमत समझिए और पति की मदद कीजिए। उन्हें समझिए और खुश रहिए।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

इस महिला ने गाय को माना पति, प्यार में रचाई शादी और बच्चों से कराया यह वादा!

नई दिल्ली। पुनर्जन्म पर भारत समेत दुनियाभर के काफी लोग मानते आ रहे है लेकिन इसमें कितनी सच्चाई है यह कहना काफी मुश्किल है। इस बात पर तो वैज्ञानिकों ने भी अभी तक कोई मुहर नहीं लगाई है। इसी बीच एक अजीबोगरीब खबर कंबोडिया से आ रही है जहां एक महिला का मानना है कि उसके मरे हुए पति ने एक गाय के रूप में दोबारा

जन्म लिया है। महिला ने यहां तक की गाय को अपना पति मानकर शादी भी रचा ली है। यह मामला कंडोबिया के क्रेटी प्रांत का है जहां 74 साल की खिम हैंग नाम की एक महिला ने गाय से शादी रचा ली है। महिला का कहना है कि, गाय की सारी हरकतें उसके मरे हुए पति जैसी है। इस बात को साबित करने के लिए अभी तक कोई भी वीडियो सामने नहीं आया है। वहीं स्थानियों का कहना है कि, महिला की गाय के साथ शादी में सब शामिल भी हुए थे। एक खबर के मुताबिक, महिला का कहना है कि, गाय के जन्म के बाद महिला अपना सारा समय उसी के साथ बिताती थी। गाय न केवल महिला के हाथ को बल्कि चेहरे को भी चाटती थी और किस भी करती थी। महिला ने कहा कि, गाया उसे दुलार और प्यार करती थी जैसे की उसके पति करते थे। जिसके बाद महिला को अहसास हुआ कि गाय के रूप में उसके पति ने पुनर्जन्म लिया है।

गाय के लिए बनाया अलग से कमरा

बता दें कि, महिला ने गाय के लिए अलग से एक कमरा बनाया है जहां उसे सोने के लिए एक तकिया भी है। दोनों साथ एक ही कमरे में रहते है और महिला के बच्चे भी मानने लगे है कि गाय के रूप में यह पिता है और सभी सेवा भी करते हैं। महिला ने अपने बच्चों को बोला कि, उसके मरने के बाद गाय को न बेचें बल्कि एक इंसानों की तरह प्यार दे।

ओमीक्रोन कोरोना वेरिएंट के खतरे के बीच अब जापान ने भी लगाया विदेशी यात्रियों के प्रवेश पर प्रतिबंध

तोक्यो। जापान ने सोमवार को घोषणा की कि वह कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के खतरे के मद्देनजर दुनियाभर से आने वाले सभी विदेशी यात्रियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाएगा। देश के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा ने कहा कि यह घोषणा मंगलवार से प्रभावी होगी। इस घोषणा का अर्थ है कि जापान अपनी सीमा पर लोगों के आवागमन पर नियंत्रण को बहाल करेगा, जिसमें कम अवधि के लिए आने वाले कारोबारी यात्रियों, विदेशी छात्रों और कर्मियों के लिए इस महीने की शुरुआत में ढील दी गई थी। जापान ने सप्ताहांत में दक्षिण अफ्रीका और आठ अन्य देशों से आने वाले लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध कड़े कर दिये थे, जिसके तहत इन देशों के यात्रियों को सरकार द्वारा चिह्नित केंद्रों में 10 दिन पृथक-वास में रहना होगा। कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के खतरे के मद्देनजर कई देशों ने सीमा पर प्रतिबंध कड़े कर दिए हैं।

ओमीक्रोन स्वरूप का खतरा, नीदरलैंड ने सख्त लॉकडाउन का ऐलान किया

हेग। नीदरलैंड में रविवार को कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के 13 मामलों की पुष्टि होने के बीच वायरस के प्रसार की रोकथाम के मद्देनजर सख्त लॉकडाउन लागू किया गया है। नए लॉकडाउन दिशानिर्देशों के अनुसार, रेस्त्रां, बार, गैर-जरूरी सामान की दुकानें, सिनेमाघर और थियेटर के अलावा अन्य सार्वजनिक स्थान शाम पांच बजे से सुबह पांच बजे तक बंद रहेंगे। निजमेगेन शहर में रेस्त्रां चलाने वाले विल्को क्लिपेंस ने कहा कि ताजा लॉकडाउन से उनकी बाकी की बचत भी खत्म हो जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ह्यूगो डे जोंगे ने बताया कि शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका की उड़ानों से एम्सटर्डम के हवाई अड्डे पर पहुंचे 13 लोगों में ओमीक्रोन से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। ये 13 लोग उन 61लोगों में शामिल हैं जो शुक्रवार को संक्रमित पाए गए थे। उन्होंने पिछले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका से लौटे सभी यात्रियों से जल्द से जल्द अपनी कोविड-19 जांच कराने का आग्रह किया।

ओमीक्रोन वेरिएंट के खतरे को देखते हुए अब सिंगापुर ने उठाया यह कदम

सिंगापुर। सिंगापुर ने कोविड-19 के नए स्वरूप ओमीक्रोन के खतरे के मद्देनजर एहतियातन कदम उठाते हुए टीकाकरण करा चुके करत, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूईए) के यात्रियों को पृथक-वास से दी जाने वाली छूट (वीटीएल) को फिलहाल स्थगित कर दिया है। सिंगापुर के स्वास्थ्य विभाग ने रविवार रात बताया कि इन देशों के यात्रियों

को पहले छह दिसंबर से पृथक-वास से छूट दी जानी थी, लेकिन अब से ''आगामी नोटिस जारी होने तक'' वीटीएल को स्थगित कर दिया गया है। सिंगापुर में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 747 नए मामले सामने आए थे, जो दो महीने में सबसे कम हैं। 'चैनल न्यूज एशिया' ने मंत्रालय की एक प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से बताया कि बोत्सवाना, इस्वातिनी, लेसोथो, मोजाम्बिक, नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे जैसे प्रभावित देशों से परिवहन व्यवस्था के रूप में उनकी निकटता को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। विज्ञप्ति मे कहा गया, ''हम इस वीटीएल को शुरू करने को लेकर बाद में विस्तृत जानकारी मुहैया कराएंगे।'' मंत्रालय ने बताया कि सिंगापुर में ओमीक्रोन से संक्रमण का अभी कोई मामला सामने नहीं आया है। ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमण का पहला मामला दक्षिण अफ्रीका में पाया गया था। ओमीक्रोन को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ''चिंताजनक स्वरूप'' के रूप में वर्गीकृत किया है।

चीन-उत्तर कोरिया ने की कोई ऐसी-वैसी हरकत तो घर में घुसकर मारेगा जापान, किशिदा ने अपने ऐलान से दुनिया को किया हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चीन और जापान की दुश्मनी तो किसी से भी छुपी नहीं है। द्वितीय विश्व युद्ध से पहले चीन के अधिकांश हिस्सों पर जापान अपना अधिकार रखता था। 1945 में अमेरिका द्वारा जापान के दो शहरों पर परमाणु बम गिराने के बाद जापान थोड़ा कमजोर पड़ा। फिर दबाव की राजनीति के तहत संविधान में एक नया कानून जुड़वाया गया कि जापान अब कोई सेना नहीं रखेगा। इसके साथ ही वो किसी पर हमला भी नहीं करेगा। इसके साथ ही अमेरिका ने जापान की सुरक्षा प्रदान करने की गारंटी ली। लेकिन बदलते वक्त के साथ चीन वर्तमान दौर में खुद को सुपरपॉवर मुल्क की श्रेणी में लाकर खड़ा करने की कोशिश में लगातार लगा है। चीन द्वारा जापान को लगातार आंखें दिखाने की कोशिश भी शुरू हो गई और जापान के पास अमेरिका की तरफ देखने के अलावा और अन्य कोई विकल्प नहीं रहा। चीन लगातार ताइवान पर हमले की फिराक में लगा है।

2017 में जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने अपने संविधान में बदलाव करते हुए कहा था कि अगर जापान के किसी भी मित्र राष्ट्र के ऊपर हमला होता है तो वो उसकी मदद करेगा। जापान के मौजूदा प्रदानमंत्री फुमियो किशिदा ने इसी क्रम में आगे बड़ते हुए अपने डिफेंस बजट को बढ़ाने की बात कही है। उन्होंने चीन और उत्तर कोरिया के खतरे पर बात करते हुए कहा कि देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत किया जाएगा। जापान ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स कैंप असाला में 800 सैनिकों के सामने किशिदा ने कहा कि जापान के आसपास सुरक्षा स्थिति में तेजी से बदलाव हो रहा है। अपनी रक्षा क्षमता को मजबूत करने के लिए हम दुश्मन के ठिकानों पर हमला करने की क्षमता जैसे विकल्पों से इनकार नहीं कर सकते।

जापान को ये भलि-भांति ज्ञात है कि अगर विस्तारवादी चीन ने ताइवान पर कब्जा कर लिया तो उसका अगला निशाना जापान के अधिकार वाले क्षेत्र के शेनकाकू द्वीप होंगे। ताइवान पर कब्जे के बाद अमेरिका इस इलाके में कमजोर होता जाएगा और चीन मजबूत होता जाएगा। उधर उत्तर कोरिया से भी जापान का पुराना विवाद रहा है। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की तरफ से हाल ही में कई आधुनिक बैल्सिटिक मिसाइलों का परीक्षण किया गया। जिसके बाद जापान भी अब दूसरे विकल्पों पर विचार कर रहा है। इसलिए जापान के मौजूदा प्रधानमंत्री ने खुलेआम ऐसी चेतावनी दे डाली जिसकी उम्मीद भी नहीं की जा रही थी। जापान की तरफ से कहा गया है कि आत्मरक्षा करने के लिए हमारे पास सभी विकल्प खुले हुए हैं। सेल्फ डिफेंस फोर्स को दुश्मन के ठिकानों पर हमले के लिए मजबूत कर सकते हैं।

अमेरिका से आगे निकल दुनिया का सबसे अमीर देश बना चीन

नई दिल्ली। दुनिया का सबसे बडे देश चीन ने संयुक्त राज्य अमेरिका को पछाड़कर अमीर देशों की सूची में कब्जा कर लिया हैं। मैकेंजी ग्लोबल द्वारा जारी एक अध्ययन के अनुसार, पिछले 20 वर्षों में दुनिया की कुल संपत्ति का मूल्य तीन गुना हो गया है। विश्व संपत्ति का मूल्य 2000 में 156 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2020 तक 514 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। इसका एक तिहाई विकास के लिए है चीन कारण से। विश्व व्यापार संगठन का सदस्य बनने से पहले 2000 में चीन की कुल संपत्ति 7 ट्रिलियन डॉलर थी। चीन की संपत्ति का मूल्य 2020 तक 120 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इस प्रकार संयुक्त राज्य अमेरिका को पीछे की ओर धकेलना चीन दुनिया का सबसे अमीर देश बन गया है। इसी अवधि के दौरान, अमेरिकी संपत्ति का मूल्य दोगुना होकर 90 ट्रिलियन डॉलर हो गया और केवल 10 देशों के पास दुनिया की कुल आय का 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है।

दुनिया का अग्रणी अमीर देश चीन संयुक्त राज्य अमेरिका रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों ही मामलों में, दो-तिहाई संपत्ति का स्वामित्व सिर्फ 10 प्रतिशत परिवारों के पास है। दुनिया के कुल संपत्ति मूल्य का 68 प्रतिशत रियल एस्टेट का है।

भारत ने उठाई आवाज, अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल दूसरों को निशाना बनाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

चरमपंथियों के पनाहगाह के रूप में अफ़ग़ानिस्तान 8 देशों की क्षेत्रीय सुरक्षा सलाहकार बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया था कि इसे बदलना नहीं चाहिए। अमेरिकी सेना पिछले अगस्त में अफगानिस्तान से पूरी तरह से हट गई। बाद में तालिबान उन्होंने वहां एक नई व्यवस्था स्थापित की है। चीन और पाकिस्तान सहित केवल कुछ मुट्ठी भर देशों ने तालिबान शासन के लिए समर्थन व्यक्त किया है। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका सहित अधिकांश देश तालिबान का समर्थन नहीं करते हैं।

इस संदर्भ में एक विश्वव्यापी धारणा है कि अफगानिस्तान पर शासन करने वाले तालिबान एशियाई महाद्वीप के लिए एक आतंकवादी खतरा पैदा करते हैं। इस संदर्भ में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की अध्यक्षता में 8 देशों की क्षेत्रीय सुरक्षा सलाहकार परिषद की बैठक कल दिल्ली में हुई। इसमें आठ देशों के रक्षा नेताओं ने भाग लिया÷ भारत, रूस, ईरान, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उजबेकिस्तान, किर्गिस्तान और तुर्कमेनिस्तान।

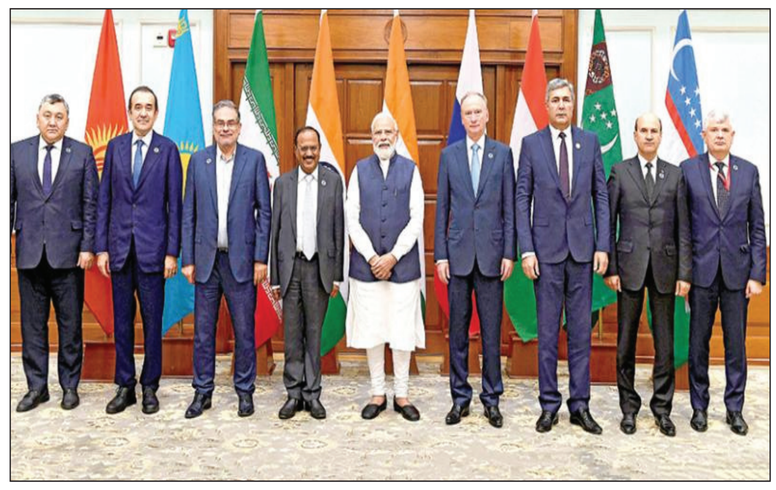

हम पिछले 3 महीनों से अफगानिस्तान में हो रही कार्रवाइयों को देख रहे हैं। मैं इस समय इस परामर्शी बैठक का आयोजन करना भारत के लिए सौभाग्य की बात समझता हूं। हम अफगानिस्तान के विकास पर करीब से नजर रख रहे हैं। अफ़ग़ानिस्तान विकास न केवल उस देश के लोगों को बल्कि पड़ोसी देशों और क्षेत्र के लोगों को भी प्रभावित करेगा।

यह परामर्श क्षेत्रीय देशों के बीच सहयोग का समय है। अफ़ग़ानिस्तान मुझे उम्मीद है कि हमारे सुझाव लोगों की मदद करने, सामूहिक सुरक्षा में सुधार या सुधार करने में मददगार होंगे। इस प्रकार उन्होंने कहा। बाद में बैठक में, देश किसी भी संदर्भ में चरमपंथियों के लिए एक आश्रय स्थल होगा, प्रशिक्षण और योजना के लिए एक जगह, या एक ऐसा देश जो इन्हें वित्तपोषित करता है। अफ़ग़ानिस्तान प्रस्ताव पारित किया गया था जिसे बदलना नहीं चाहिए। बैठक में अफगानिस्तान में आतंकवाद के सभी कृत्यों की भी निंदा की गई।

26वें शिखर सम्मेलन में बोले पीएम मोदी, जलवायु परिवर्तन नीतियों को स्कूली पाठ्यक्रम में भी शामिल किया जाना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधान मंत्री मोदी ने जोर देकर कहा है कि जलवायु परिवर्तन से संबंधित नीतियों को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। रोम, इटली में 2 दिवसीय जी-20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व नेताओं सहित। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी रोम से ब्रिटेन के लिए रवाना हुए। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में प्रधानमंत्री मोदी का भारतीय मूल के लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

इसके बाद ग्लासगो में जलवायु परिवर्तन संबंधित 26वां शिखर सम्मेलन कल शुरू हुआ। 12 तारीख तक चलने वाले इस सम्मेलन में भारत समेत 120 से ज्यादा देशों के नेता और प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं. सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को रोकने के लिए चल रहे प्रयासों पर विस्तार से चर्चा होगी। खासतौर पर पेरिस समझौते के क्रियान्वयन पर चर्चा हो रही है। यूनाइटेड किंगडम के प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन, इटली के प्रधान मंत्री मारियो ड्रैगी, संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बिडेन, संयुक्त राष्ट्र। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बात की। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रधान मंत्री मोदी ने कहा, ÷बदलते परिवेश के अनुरूप हमारी विकास योजनाओं को समय-समय पर समायोजित करने की आवश्यकता है। भारत में सभी घरों के लिए नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल, स्वच्छ भारत, रसोई गैस कनेक्शन सहित परियोजनाएं बदलते परिवेश के अनुकूल हो रही हैं और नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार कर रही हैं। जलवायु परिवर्तन से संबंधित नीतियों को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए। तभी आने वाली पीढ़ी इस बात से अवगत होगी।÷ सम्मेलन के बीच में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ब्रिटिश प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन सहित विश्व के नेताओं से मुलाकात की। गौरतलब है कि सम्मेलन में रूस और चीन समेत कुछ देशों के नेता शामिल नहीं हुए थे।

100 साल पहले काशी से चोरी हुई प्रतिमा, कनाडा ने वापस भारत को सौंपी

नई दिल्ली (एजेंसी।

100 साल पहले काशी से चोरी हुई अन्नपूर्णा की प्रतिमा कनाडा से केंद्र सरकार को सौंपी गई है. जब भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था, देवी अन्नपूर्णा की मूर्ति को वाराणसी से कनाडा ले जाया गया था और नॉर्मन मैकेंजी द्वारा बनाई गई एक आर्ट गैलरी में प्रदर्शित किया गया था।

एक शोधकर्ता और कलाकार मेहरा के अनुसार, प्रतिमा भारत से मैकेंजी द्वारा 1913 में वाराणसी से ली गई होगी। मेहरा ने कहा कि प्रतिमा को वाराणसी में गंगा के तट पर एक मंदिर से चुराया गया हो सकता है और मैकेंजी को सौंप दिया गया हो। मूर्ति को एक आसन पर विराजमान किया जाता है जिसके एक हाथ में एक बड़ा कटोरा और दूसरे में चावल चढ़ाने के लिए एक चम्मच होता है। अन्नपूर्णा देवी मंदिर अभी भी वाराणसी में गंगा के तट पर स्थित है हाल ही में, एक भारतीय कलाकार और शोधकर्ता दिव्या मेहरा ने मूर्ति की पहचान की और उस पर शोध किया, जिससे पता चला कि यह मूर्ति 100 साल पहले भारत से ली गई थी। इसके बाद, रेजिना विश्वविद्यालय के अंतरिम अध्यक्ष और कुलपति डॉ थॉमस चेस ने कनाडा में भारतीय राजदूत अजय बिजारिया से वीडियो के माध्यम से मुलाकात की और प्रतिमा के विवरण के बारे में बताया। भारत की विरासत को दर्शाती देवी अन्नपूर्णा की प्रतिमा को भारत को सौंपना कनाडा की पेशकश की। इस मामले में 100 साल पहले काशी से चोरी हुई अन्नपूर्णा की प्रतिमा को केंद्र सरकार को सौंप दिया गया है. इस संबंध में यू.पी. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, '100 साल पहले काशी में अन्नपूर्णा की मूर्ति चोरी हो गई थी. यह कनाडा के एक विश्वविद्यालय संग्रहालय में था। भारत सरकार को विश्वविद्यालय से प्रतिमा प्राप्त हुई है। अब इसे उत्तर प्रदेश सरकार को उपलब्ध कराया जा रहा है।

दक्षिण अफ्रीका में कोविड-19 के नये स्वरूप ने विशेषज्ञों को किया हैरान

प्रिटोरिया (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका में कोविड-19 मामलों के हुई नवीनतम बढ़ोतरी में शेवाने यूनिवर्सिटी (टीयूटी) ऑफ टेक्नोलॉजी एक 'हॉटस्पॉट' के तौर उभरा है। इस विश्वविद्यालय में कई छात्र संक्रमित पाये गए हैं और विश्वविद्यालय प्रशासन ने कुछ परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं।

हॉटस्पॉट वह स्थान होता है जहां अधिक संख्या में कोविड-19 के मामले सामने आते हैं। शेवाने मेट्रोपालिटन के अधिकारी अब टीकाकरण पर जोर दे रहे हैं। अधिकारी विशेष तौर पर कम आयु के लोगों में टीकाकरण पर अधिक जोर दे रहे हैं, जिनमें इसकी गति धीमी थी। टीयूटी में अधिकतर छात्रों को टीका नहीं लगा है। दक्षिण अफ्रीका में 18- से 34 वर्ष के लोगों में में से केवल 22 प्रतिशत को टीका लगाया गया है। इस आयु के लोगों में से कुछ अब टीके लेने पर पुनर्विचार कर रहे हैं।

हालांकि, विश्वविद्यालय का टीकाकरण केंद्र सप्ताहांत के लिए बंद था। टीके की एक खुराक ले चुके छात्र मनकोबा जिथा ने कहा कि वह साथी सहपाठियों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करेंगे। जिथा ने कहा, ''मैं उन्हें प्रोत्साहित करने की कोशिश कर रहा हूं ताकि वे टीका लें। इससे वे कोरोना वायरस से दूर रह सकेंगे। महामारी से लोग मर रहे हैं और संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है।'' महामारी को लगभग दो साल बीत चुके हैं। दुनिया कोविड-19 के नये स्वरूप के संक्रमण को रोकने के लिए संघर्ष कर रही है, जिसकी पहले दक्षिण अफ्रीका में पहचान की गयी थी। कई देश दक्षिण अफ्रीका के यात्रियों पर प्रतिबंध लगा रहे हैं, जो कि दक्षिण अफ्रीकी सरकार के लिए निराशाजनक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वायरस के नये स्वरूप को ओमीक्रोन नाम दिया है और इसे एक चिंता वाले स्वरूप के रूप में वर्गीकृत किया है, जो अत्यंत संक्रामक है।

हालांकि, इसके वास्तविक जोखिमों को अभी तक समझा नहीं गया है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि शुरुआती सबूत बताते हैं कि इससे जोखिम बढ़ गया है कि जिन लोगों को पहले से ही कोविड????-19 हो चुका है, उन्हें यह फिर हो सकता है। यह जानने में हफ्तों लग सकते हैं कि क्या मौजूदा टीके इसके खिलाफ कम प्रभावी हैं। फिर भी, कुछ विशेषज्ञ इसको लेकर आशान्वित हैं कि टीके गंभीर बीमारी और मृत्यु को रोकने में कम से कम कुछ हद तक प्रभावी होंगे। उन्होंने लोगों को टीका लगाने के लिए प्रोत्साहित करना जारी रखा है। गौतेंग प्रांत कोविड-19 के नये मामलों में वृद्धि का केंद्र है। अब तक, डॉक्टरों के अनुसार, संक्रमितों में लक्षण हल्के प्रतीत होते हैं और अस्पताल में भर्ती होने में कोई वृद्धि नहीं हुई है। हालांकि, विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि संक्रमण का शुरुआती दौर युवाओं में देखने को मिला है और अगर वृद्ध और बिना टीकाकरण वाले लोग इसकी चपेट में आते हैं तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

जानिए दुनिया के कौन–कौन से हिस्से में तेजी से फैल रहा कोरोना वायरस का नया स्वरूप ओमीक्रोन

द हेग। (एजेंसी)।

दुनिया के कई और देशों में कोविड-19 के नए स्वरूप 'ओमीक्रोन' के मामले सामने आने के बाद कई सरकारों ने अपने-अपने देश की सीमा बंद करने जैसे कदम उठाए हैं जबकि वैज्ञानिकों का कहना है कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वायरस का यह स्वरूप पहले सामने आए स्वरूपों से ज्यादा खतरनाक है या नहीं। नए स्वरूप की पहचान दक्षिण अफ्रीका के अनुसंधानकर्ताओं ने कुछ दिन पहले की थी और अभी तक इसके ज्यादा संक्रामक होने या इससे मरीज के गंभीर रूप से बीमार पड़ने या इसके टीके के असर को नकारने जैसी जानकारियां उपलब्ध नहीं हो पाई हैं। लेकिन कई देशों ने एहतियाती कदम उठाए हैं। कोविड-19 महामारी की वजह से दुनिया भर में 50 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इजराइल ने विदेशी लोगों के प्रवेश पर पाबंदी लगाने का निर्णय लिया है। वहीं मोरक्को ने कहा है कि वह सोमवार से अगले दो सप्ताह तक आनेवाली सभी उड़ानों को निलंबित करेगा।

हांगकांग से यूरोप और उत्तरी अमेरिका तक कई जगहों के वैज्ञानिकों ने इस स्वरूप की मौजूदगी की पहचान की है। नीदरलैंड में रविवार को ओमीक्रोन के 13 मामले सामने आए। इसके बाद कनाडा और ऑस्ट्रेलिया से दो-दो मामले सामने आए। कई देशों में नए स्वरूप के मामले सामने आने और सीमा बंद करने जैसे कदम के सीमित प्रभाव के मद्देनजर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सीमाएं बंद नहीं करने का सुझाव दिया है। अमेरिका में राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के निदेशक डॉक्टर फ्रांसिस कॉलिन्स ने इस बात पर जोर दिया है कि अभी ऐसी जानकारियां उपलब्ध नहीं हैं कि ओमीक्रोन कोविड-19 के पहले के स्वरूपों से ज्यादा खतरनाक है। कॉलिन्स ने 'सीएनएन' चैनल को बताया कि वह दक्षिण अफ्रीका के विभिन्न जिलों में तेजी से फैले इस स्वरूप के मामलों के मद्देनजर यह तो सोचते हैं कि यह ज्यादा संक्रामक है लेकिन अभी यह पता नहीं है कि क्या यह वायरस के डेल्टा स्वरूप जितना खतरनाक है। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने सोमवार को कहा कि जापान सीमा पर नियंत्रण को बढ़ाने के उपाय पर विचार कर रहे हैं।

किशिदा ने संवाददाताओं को बताया कि उनकी योजना दक्षिण अफ्रीका और पास के आठ अन्य देशों से आने वाले यात्रियों के लिए 10 दिन तक अनिवार्य पृथक-वास के अलावा अन्य नए कदमों की घोषणा करने की है। जापान ने अब भी किसी अन्य देश के पर्यटकों के यहां आने पर पाबंदी लगाई हुई है। अमेरिका की योजना सोमवार से दक्षिण अफ्रीका और सात अन्य दक्षिण अफ्रीकी देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगाने की है। अमेरिका के शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एंथनी फाउची ने 'एबीसी' के 'दिस वीक' को बताया कि इससे तैयारियां बढ़ाने का अवसर मिलेगा। दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने यात्रा प्रतिबंधों पर आपत्ति जताई है। डब्ल्यूएचओ ने एक बयान में

कहा कि वह 'अफ्रीकी देशों के साथ खड़ा' है। शीर्ष स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि यात्रा प्रतिबंध भले ही कोविड-19 के प्रसार को आंशिक तौर पर धीमा करने में भूमिका निभाते हों लेकिन इससे लोगों और उनकी आजीविका पर बड़ा असर पड़ता है।

रुसी राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा के दौरान कई रक्षा सौदों पर लग सकती हैं मोहर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आगामी 6 दिसबंर को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत दौरे पर आ रहे हैं। इसके साथ ही 6 दिसंबर को ही भारत और रूस का 2 प्लस 2 डॉयलाग होगा।इसमें भारतीय विदेश व रक्षा मंत्री व रूसी विदेश व रक्षा मंत्री के बीच जब ये बातचीत होगी,तब बहुत सारे इसतरह के समझौते हैं चाहे वहां एस-400, एके 203 व अन्य रक्षा सौदे पर मुहर लग सकती है। राष्ट्रहित को प्राथमिकता देकर अंतर्विरोधों का प्रबंधन करना ही मोदी सरकार के विदेश नीति की प्रमुख विशेषता रही है।रुसी राष्ट्रपति पुतिन के भारत आगमन इसका जीवंत उदाहरण है।

हालिया सालों में भारत के चीन के साथ खराब होते संबंध और अमेरिका से बढ़ती नजदीकी को देखकर यात्रा का महत्व और भी बढ़ जाता है। वहीं भारत-अमेरिका रणनीतिक संबंधों की बात करें,तब नई दिल्ली ने 2007 से वाशिंगटन के साथ 21 बिलियन डॉलर से अधिक के रक्षा सौदे किए हैं। जबकि रूस भारत के साथ लंबे समय से चली आ रही विशेष रणनीतिक साझेदारी पर जोर देना चाहता है।संयोग से रूस ने 1960 के दशक की शुरुआत से भारत को 65 बिलियन से अधिक की सैन्य बिक्री की है। रूस रक्षा उत्पादन में भारत की आत्मनिर्भरता को लेकर भी थोड़ा भयभती है, लेकिन ये सच है कि इसी दिशा में कदम आगे बढ़ाते हुए यूपी के अमेठी जिले में कोरवा आयुध कारखाने में छह लाख से अधिक एके-203 कलाश्निकोव राइफलों के निर्माण के लिए लंबे समय से लंबित 5,124 करोड़ रुपये की परियोजना के लिए आखिरकार रास्ता साफ हो गया है।

रूस से वीसरोडस लेने वाली डील भी अब अंतिम चरण में है। फ्रांस और स्वीडिश प्रणालियों के मुकाबले चुनी गई कंधे से दागी जाने वाली रूसी विमान भेदी मिसाइल प्रणाली आईएलीएलए-एस को विमान,हेलीकॉप्टर और ड्रोन जैसे दृश्यमान दुश्मन लक्ष्यों के खिलाफ उपयोग के लिए डिजाइन किया गया है।रिपोर्ट के अनुसार सेना को 5,000 से अधिक ऐसी मिसाइलों, लांचरों और संबंधित उपकरणों की आवश्यकता है। पुराने सिंगल-इंजन वाले चीता और सेना (135) और भारतीय वायुसेना (65) के चेतक हेलिकॉप्टरों को लगभग 2 बिलियन डॉलर में बदलने के लिए 200 ट्विन-इंजन कामोव-226टी हल्के हेलीकॉप्टरों के लिए लंबे समय से लंबित परियोजना तकनीकी मूल्यांकन चरण में अटकी हुई है।

पूर्वांचल के बाद अवध का दौर कर योजनाओं की सौगात देंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आगामी उत्तरप्रदेश चुनाव को देखकर सत्तारूढ़ भाजपा ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। भाजपा के शीर्ष नेता नरेंद्र मोदी भी लगातार विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करने के लिए यूपी पहुंच रहे हैं। पिछ्ले महीने ही कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक के बाद एक पूर्वांचल का दौरा किया। चुनावी लिहाज से पूर्वांचल भाजपा के लिए बेहद मायने रखता हैं। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अवध क्षेत्र का भी दौरा करने वाले हैं। इस कड़ी में पीएम मोदी संगम नगरी प्रयागराज पहुंचक विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करने वाले है। प्रधानमंत्री के आगामी प्रयागराज दौरे को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है। इसके साथ ही रैली में महिलाओं को लगातार शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी 5 दिसंबर को प्रयागराज पहुंचने वाले है। मोदी के दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने भी तैयारियां शुरू कर दी है। मोदी के साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य तथा दिनेश शर्मा भी मौजूद रहने वाले है। हालांकि जिला प्रशासन की ओर से बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर अभी तक मौखिक निर्देश ही हैं। लिखित प्रोटोकॉल नहीं आया है। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दौरे के दौरान पंद्रह सौ सामूहिक शादी में शामिल होने वाले है। इन वैवाहिक जोड़ों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आशीर्वाद देने वाले है। इसके अलावा 75 जिलों में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं से भी मिलकर उन्हें सम्मानित कर सकते हैं।इसके पहले प्रधानमंत्री मोदी 29 फरवरी 2020 को प्रयागराज गए थे।

तृणमूल सदस्य अर्पिता घोष का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया : नायडू

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अर्पिता घोष का उच्च सदन राज्यसभा की सदस्यता से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया गया है। सभापति एम वेंकैया नायडू ने सोमवार को यह जानकारी दी। दिवंगत सदस्यों के सम्मान में एक घंटे के लिए उच्च सदन की बैठक स्थगित रहने के बाद जब पुनः शुरू हुई तब सभापति नायडू ने अर्पिता घोष का इस्तीफा स्वीकार किए जाने के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि उच्च सदन में पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व कर रही अर्पिता ने 15 सितंबर 2021 को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। सभापति ने कहा कि उन्होंने अर्पिता से बात की और 15 सितंबर 2021 को ही उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया। गौरतलब है कि अर्पिता घोष को मार्च, 2020 में तृणमूल कांग्रेस ने राज्यसभा के लिए मनोनयन किया था। उससे पहले वह 2019 में बेलूरघाट से लोकसभा चुनाव हार गई थीं।

हिंदू और बौद्ध स्मारक स्थलों का विस्तृत सर्वेक्षण किया

जम्मू । कश्मीर में अपनी तरह की अनोखी पहल के तहत राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण (एनएमए) ने घाटी में महत्वपूर्ण हिंदू और बौद्ध स्मारक स्थलों का विस्तृत सर्वेक्षण किया है। इस सर्वेक्षण में जम्मू-कश्मीर के अभिलेखागार, पुरातत्व और संग्रहालय निदेशालय के अधिकारियों ने भी पूरी मदद की की। एनएमए के अध्यक्ष तरुण विजय ने स्वयं भी मंदिरों और स्मारकों का व्यापक दौरा किया। इस बारे में विजय का कहना है, कि घाटी में अपनी तरह की यह पहली प्रक्रिया है और यह जम्मू-कश्मीर की सांस्कृतिक भव्यता को पुनर्जीवित करने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि का परिणाम है। दूसरी ओर श्रीनगर में भाजपा ने संविधान दिवस के अवसर पर पार्टी कार्यालय में सभा आयोजित की जिसमें संवैधानिक मूल्यों को मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया। श्रीनगर में भाजपा मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में संविधान की प्रस्तावना भी पढ़कर सुनाई गई। इस मौके पर भाजपा नेताओं ने अपने संबोधनों के माध्यम से बताया कि कैसे केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के मूलमंत्र का पालन करते हुए देश को आगे बढ़ा रही है।

कृषि कानून वापसी बिल पास, तोमर बोले, यह पीएम मोदी का बड़प्पन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विवादित कृषि कानून बिल की वापसी अंततः संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन भारी हंगामे के बीच लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में पास हो गया। दोपहर करीब 12.30 बजे पहले लोकसभा में बिल पास हुआ और उसके बाद दोपहर 2.10 पर राज्यसभा में कृषि कानून निरसन विधेयक-2021 को मंजूरी दे दी गई। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्यसभा में बिल वापसी पर बोलते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बड़प्पन है कि उन्होंने किसानों की जिद्द का मान रखा। तोमर ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा दोहरा चोहरा दिखाया है। कृषि कानून आने पर इसका विरोध किया और जब यह वापिस हो रहा है तब भी हंगामा कर रहे हैं। दरअसल राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कृषि कानून पर सरकार के फैसले का स्वागत है। तोमर ने खड़गे की इस टिप्पणी पर कटाक्ष किया कि विपक्ष कभी एक रुख नहीं अपनाता है। विधेयक उन तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने के लिए है, जिनके खिलाफ किसान एक साल से अधिक समय से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। विधेयक के उद्देश्य और कारणों के कथन में कहा गया कि 'ऐसे में जब हम आजादी का 75वां वर्ष-'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहे हैं, तो समय की जरूरत है कि सभी को समावेशी प्रगति और विकास के रास्ते पर साथ लिया जाए।' इसमें कहा गया है, उसके मद्देनजर, उपरोक्त कृषि कानूनों को निरस्त करने का प्रस्ताव है।

नगालैंड के सीएम रियो 'नगा राजनीतिक मामले' पर चर्चा करने आएंगे दिल्ली, गृह मंत्री शाह से करेंगे मुलाकात

कोहिमा (एजेंसी)।

नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने सोमवार को कहा कि वह नगा राजनीतिक मामले और राज्य में विपक्ष रहित 'संयुक्त लोकतांत्रिक गठबंधन' (यूडीए) संबंधी मामलों पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से चर्चा करने के लिए आगामी कुछ दिनों में दिल्ली रवाना होंगे। मुख्यमंत्री ने एक आधिकारिक कार्यक्रम के इतर पत्रकारों से कहा कि फोन पर हुई बातचीत ने दौरान शाह ने उनसे दिल्ली आने को कहा। रियो ने कहा, ''हम फोन के जरिए संपर्क में हैं।

उन्होंने मुझे पूछा कि मैं नगा राजनीतिक मामले और गठबंधन एवं राज्य के विकास संबंधी मामलों पर चर्चा करे लिए दिल्ली कब आ सकता हूं। मैं दिसंबर के पहले सप्ताह में एक-दो दिन के लिए वहां जाने की योजना बना रहा हूं।'' इससे पहले, राष्ट्रवादी लोकतांत्रिक प्रगतिशील पार्टी (एनडीपीपी) के 23 नवंबर को हुए आम सम्मेलन में रियो ने कहा था कि शाह ने उनसे और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा से दिल्ली आने को कहा है। सरमा एनएससीएन (आईएम) (नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड) के साथ नगा शांति वार्ता में शामिल हैं। केंद्र और एनएससीएन (आईएम) के बीच 'फ्रेमवर्क समझौते' के नगा राजनीतिक मामले के 'अंतिम समाधान' में बाधा बनने संबंधी रिपोर्ट पर उन्होंने कहा कि इस समझौते पर भारत सरकार और संगठन के बीच हस्ताक्षर हुए हैं और वह इससे संबंधित मुद्दों से अवगत नहीं हैं। केंद्र सरकार दशकों पुराने नगा राजनीतिक मुद्दे को सुलझाने के लिए 2017 से एनएससीएन (आईएम) से वार्ता कर रही है, जबकि फ्रेमवर्क समझौते पर 2015 में हस्ताक्षर हुए थे और ऐसा बताया जाता है कि वार्ता अक्टूबर 2019 में समाप्त हुई। नगा के लिए अलग झंडा और संविधान की एनएससीएन (आईएम) की मांग के कारण अभी तक 'अंतिम समझौता' नहीं हो पाया है। यूडीए सरकार के गठन के बाद नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) को सरकार के विभागों की जिम्मेदारी सौंपने के सवाल के जवाब में रियो ने कहा, ÷हम चर्चा कर रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री टी आर जेलियांग को कैबिनेट दर्जे के साथ एनपीएफ विधायक दल के नेता के रूप में नियुक्त करने के अलावा, रियो ने अभी तक अपने मंत्रालय में एनपीएफ के किसी भी विधायक को शामिल नहीं किया है। उन्होंने कहा कि यूडीए सरकार के गठन के लिए कोई पूर्व शर्त नहीं है।

सरकार चर्चा से डरती है, इसलिए बिना चर्चा के कृषि कानून वापस लिए गए: राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कृषि कानूनों की वापसी के विधेयक को संसद में पास कराए जाने के तरीके पर सवाल उठाया है और कहा है कि सरकार ने बिन चर्चा के तीनों कानूनों को वापस लेने के विधेयक को पास कराया है। राहुल गांधी ने कहा है कि सरकार चर्चा से डरती है, इसलिए इस तरीके से इस विधेयक को पास कराया गया है। राहुल गांधी ने कहा कि कृषि कानूनों को वापस लिए जाना दर्शाता है कि हिंदुस्तान में किसानों को दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि 3-4 पूंजीपतियों की शक्ति हिंदुस्तान के किसानों के सामने खड़ी नहीं हो सकती। संसद में किसान कानून वापसी विधेयक पास होने के बाद मीडिया को दिए बयान में राहुल गांधी ने कहा, ÷हमने कहा था कि जो तीन काले कानून हैं इनको वापस लेना पड़ेगा, इसलिए कहा था क्योंकि हमें मालूम था कि 3-4 बड़े पूंजीपती हैं उनकी शक्ति हिंदुस्तान के किसानों के सामने खड़ी नहीं हो सकती, वही हुआ, जो तीन काले कानून थे उनको अंत में रद्द करना पड़ा, यह किसानों मजदूरों की सफलता है, एक प्रकार से देश की सफलता है, मगर जिस प्रकार से ये कानून रद्द किए गए, संसद में इसके बारे में चर्चा नहीं होने दी, यह दिखाता है कि सरकार चर्चा से डरती है, दिखाता है कि सरकार जानती है कि उन्होंने गलत काम किया और सरकार डरती है। राहुल गांधी से पत्रकारों ने कहा कि सरकार ने इसलिए चर्चा नहीं कराने का फैसला किया है क्योंकि कानूनों को रद्द कर दिया गया है तो इसके जवाब में राहुल गांधी ने कहा कि चर्चा नहीं करनी है तो फिर संसद की क्या जरूरत है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि किसान आंदोलन के दौरान जो किसान मारे गए हैं उनको सरकार मुआवजा दे क्योंकि खुद प्रधानमंत्री ने माफी मांगी है। जब राहुल गांधी से कहा गया कि क्या वे किसानों से आंदोलन खत्म करने की अपील करेंगे तो इसके जवाब में उन्होंने कहा, ÷मैं किसान संगठनों से अपील नहीं करूंगा, उनसे अपील करने की जरूरत नहीं है, जिम्मेदार किसान संगठन है क्यों, उनकी क्या गलती है, आप उन्हें मुआवजा दो और उनकी मांगें पूरी करो, उनकी एमएसपी की मांग पूरा करो।

पीएम मोदी को टक्कर देने दीदी के साथ आ रहे कांग्रेस के सिपाहसालाकार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश की ग्रैंड ओल्ड पार्टी की नाव डूबती हुई दिख रही हैं, और पुरानी नाव की सवारियों ने नई नाव तलाश की तरफ अपना रुख कर लिया है। क्योंकि पुरानी नाव में सवार लोगों को लगता है कि बिना कप्तान की नाव कभी भी डूब सकती है। जी हां आप बिल्कुल सही सोच रहे हैं। हम देश की ग्रैंड ओल्ड पार्टी %कांग्रेस की बात कर रहे हैं, जिसकी नाव सबसे पुरानी है और उसके कद्दावर सिपाही अब दूसरी नाव में सवार होने लगे हैं।इनदिनों कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी समस्या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नहीं बल्कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) बन चुकी है। जो कभी यूपीए में कांग्रेस के ही साथ थी और अब उनके ही सिपहसालारों को अपनी नाव में सवारी कर रही हैं। पहले यह सिलसिला पश्चिम बंगाल में दिखाई दिया। कई कांग्रेस नेता विधानसभा चुनाव के दौरान टीएमसी में शामिल हो गए। उस वक्त कहा जा रहा था कि बंगाल में टीएमसी सत्ता में है।इसकारण ऐसा हो रहा है, फिर पूर्वोत्तर से खबर सामने आई कि पूर्व मुख्यमंत्री सहित मुकुल संगमा सहित 12 विधायक टीएमसी में शामिल हो गए और अब हिंदी भाषी राज्यों में भी ऐसा ही हो रहा है। उत्तरप्रदेश, हरियाणा जैसे राज्यों के नेता भी टीएमसी की सदस्यता ले रहे हैं। हाल ही में कांग्रेस नेता कीर्ति आजाद, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष अशोक तंवर, जनता दल (यूनाइटेड) के पूर्व महासचिव पवन वर्मा ने ममता के साथ जाने का फैसला किया। दरअसल, ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी सीधे भाजपा को चुनौती देना चाहती है। इसके लिए टीएमसी ने विस्तारवादी नीति अपना रखी है। ममता बनर्जी लगातार दूसरे राज्यों का दौरा कर रही हैं। माना जा रहा है कि वहां प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी और महाराष्ट्र का जल्द ही दौरा करेंगी। इतना ही नहीं ममता से दिल्ली दौरे के दौरान मीडियाकर्मियों ने कांग्रेस अध्यक्ष से मुलाकात को लेकर सवाल पूछा।इसपर दीदी ने कहा कि इस बार मैंने मुलाकात के लिए सिर्फ प्रधानमंत्री का समय मांगा था। सभी नेता पंजाब के चुनाव में व्यस्त हैं।काम पहले है...हर बार हमें सोनिया गांधी से क्यों मिलना चाहिए? यह संवैधानिक रूप से बाध्यकारी थोड़े ही है? दरअसल, पिछली बार ममता बनर्जी जब दिल्ली दौरे पर आईं थीं उस वक्त उन्होंने सोनिया गांधी, राहुल सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस के नेताओं से मुलाकात की थी।इस विपक्षी एकता के तौर पर देखा जा रहा था, लेकिन फिर मानसून सत्र के दौरान कांग्रेस से टीएमसी की दूरियों ने यह स्पष्ट कर दिया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में ममता बनर्जी आगे नहीं बढ़ना चाहती हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री मुकुल संगमा सहित 12 विधायकों ने कांग्रेस को अलविदा कहकर टीएमसी का दामन थामा। इस कांग्रेस के लिए एक बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है। इतना ही नहीं ममता बनर्जी पूर्वोत्तर में खुद को मजबूत करने की कोशिशों में भी जुट हुई हैं। टीएमसी में शामिल हुए मुकुल संगमा का कहना है कि ममता बनर्जी की पार्टी 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले पूरे पूर्वोत्तर में अपना राजनीतिक आधार बढ़ाने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि मैं अन्य राज्यों के नेताओं के साथ बातचीत कर रहा हूं। हमारे राजनीतिक फैसले के बाद से वे मुझसे मिल रहे हैं। यह दिखाता है कि वे अपने-अपने राज्यों में कुछ नए की तलाश कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ असम कभी कांग्रेस का गढ़ माना जाता था लेकिन हेमंत बिस्वा सरमा को गंवाकर कांग्रेस ने अपने किले को भी ढहा दिया। भाजपा ने हेमंत बिस्वा सरमा पर विश्वास जताया। जिसकी बदौलत पूर्वोत्तर में भाजपा की पकड़ मजबूत हुई और हेमंत बिस्वा सरमा को इसका इनाम भी मिला। भाजपा ने उन्हें असम का मुख्यमंत्री बना दिया। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस की नाव को पूर्वोत्तर में डुबाने के लिए टीएमसी ने सुष्मिता देव को अपनी पार्टी में शामिल कर रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया था।

संक्षिप्त समाचार

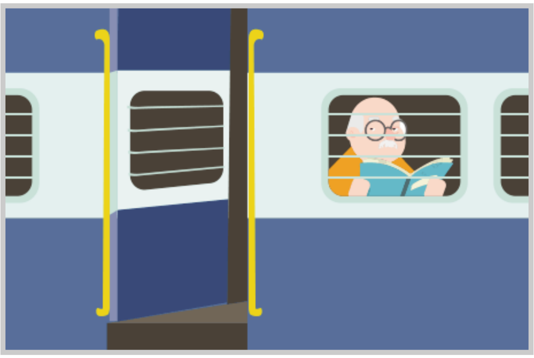

सीनियर सिटीजन को लोअर बर्थ कैसे होगी कंफर्म, आईआरसीटीसी ने बताया तरीका

नई दिल्ली। सीनियर सिटीजन को लोअर बर्थ बिना किसी दिक्कत के कंफर्म मिलेगी।रेलवे ने बताया है कि अब ट्रेन में यात्रा करने से पहले ही लोअर बर्थ कंफर्म कैसे मिलेगी।दरअसल एक यात्री ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव को टैग करते हुए ट्वीटर पर इंडियन रेलवे से सवाल पूछा था कि, मैंने तीन सीनियर सिटीजन के लिए लोअर बर्थ के साथ टिकट बुक की थीं, उस दौरान 102 बर्थ उपलब्ध थीं, इसके बावजूद उन्हें मिडिल बर्थ, अपर बर्थ और साइड लोअर बर्थ दी गईं है। क्या आप बता सकते है कि सीट आवंटन को चलाने का क्या तर्क है? यात्री के सवाल पर आईआरसीटीसी ने जवाब देकर कहा कि, महोदय, लोअर बर्थ/सीनियर सिटीजन कोटा बर्थ केवल 60 वर्ष और उससे अधिक, 45 वर्ष और उससे अधिक की महिला आयु के लिए निर्धारित निचली बर्थ हैं, जब वहां अकेले या दो यात्री (एक टिकट पर यात्रा करने वाले मानदंडों के तहत) सफर करते हैं। आईआरसीटीसी ने कहा कि अगर दो से अधिक वरिष्ठ नागरिक या एक वरिष्ठ नागरिक है और दूसरा वरिष्ठ नागरिक नहीं हैं,तब सिस्टम इस पर विचार नहीं करेगा। बता दें कि, पिछ्ले साल कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए इंडियन रेलवे ने वरिष्ठ नागरिकों सहित कई श्रेणियों के लोगों के रियायती टिकटों को निलंबित कर जानकारी साझा करते हुए कहा था कि, कोरोना से वरिष्ठ नागरिकों को जोखिम ज्यादा है,यह देखकर रेलवे को रियायतें वापस लेना पड़ा था।

वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन से पहले 14,000 करोड़ रुपए के 12 समझौतों पर किए गए हस्ताक्षर

गांधीनगर। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल सम्मेलन 2022 के सिलसिले में सोमवार को यहां आयोजित एक कार्यक्रम में गुजरात में 14,000 करोड़ रुपए के प्रस्तावित निवेश से जुड़े 12 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन गांधीनगर में अगले वर्ष 10 जनवरी को शुरू होगा और 12 जनवरी तक चलेगा। सम्मेलन से पहले यह दूसरा समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर कार्यक्रम था जिसमें गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद रहे। गुजरात में निवेश के 38,188 करोड़ रुपए के समझौतों पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। गुजरात सरकार ने बताया मित्सु प्राइवेट लिमिटेड ने दक्षिण गुजरात के वापी में रसायन, दवा, एपीआई, कपड़ा, इंजीनियरिंग, प्लास्टिक के लिए मिश्रित औद्योगिक क्लस्टर स्थापित करने के लिए 5,000 करोड़ के बड़े निवेश का प्रस्ताव रखा है। राज्य सरकार के अनुसार इस प्रस्तावित निवेश से राज्य में करीब 15 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके अलावा गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लिमिटेड ने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी रसायनों और अन्य उत्पादों के लिए 2,000 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। इसी तरह आरती इंडस्ट्रीज ने भी राज्य में 1,669.8 करोड़ रुपए के निवेश का वादा किया है। वहीं एशियन पेंट्स ने भरूच जिले के अंकलेश्वर में अपने पेंट संयंत्र पर 1,114 करोड़ रुपए के प्रस्तावित निवेश को लेकर समझौता किया है। गुजरात सरकार ने वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन के पहले हरेक सोमवार को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला किया है।

पुलिस को संदेह : ड्रग्स की तस्करी करता था मॉडल मर्डर केस में गिरफ्तार इंटीरियर डिजाइनर

कोच्चि। एक कार दुर्घटना में दो मॉडलों सहित तीन लोगों की मौत की जांच कर रही केरल पुलिस को संदेह है कि गिरफ्तार इंटीरियर डिजाइनर सैजू थंकाचेन कथित तौर पर ड्रग्स का कारोबार करता था। ज्ञात हो कि 25 वर्षीय एंसी कबीर और 24 वर्षीय अंजना शजान की 1 नवंबर को दुर्घटना में मौत हो गई थी। थंकाचेन, इंटीरियर डिजाइनर था, उसने होटल से बाहर निकलने के बाद दो महिलाओं का पीछा किया था, जहां एक डीजे पार्टी आयोजित की गई थी। सूत्रों ने बताया पुलिस ने थंकाचेन का मोबाइल फोन बरामद कर लिया है और पता चला है कि उसके कई युवतियों से संबंध हैं। पुलिस अब उन महिलाओं को बुलाएगी, जिनकी तस्वीरें उसके मोबाइल फोन में मिली थीं। यह भी संदेह है कि थंकाचेन का ड्रग्स में भी लेन-देन है और उसके पास इंटीरियर डिजाइन में केवल एक डिप्लोमा होने के बावजूद, उसका एक शानदार लाइफस्टाइल है और वह ऑडी कार चला रहा था। दोनों महिलाओं की तत्काल मौत हो गई थी, जबकि तीसरे यात्री ने कुछ दिनों बाद दम तोड़ दिया, जबकि चालक घायल हो गया। बाद में पुलिस जांच टीम ने चालक को गिरफ्तार कर लिया। सामान्य दुर्घटना मानी जाने वाले इस मामले में मोड़ तब आया, जब पुलिस को पता चला कि जिस होटल में डीजे पार्टी हुई थी, वहां से सीसीटीवी फुटेज गायब हो गए। बाद में, पुलिस ने होटल के मालिक रॉय जे वायलतिन और उसके पांच स्टाफ सदस्यों को इसी आधार पर गिरफ्तार किया गया तो 24 घंटे में सभी जमानत पर बाहर हो गए। पुलिस ने हार्ड डिस्क को प्राप्त करने के तीन प्रयास किए।

कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन पर युवक के बैग में देशी पिस्टल, मचा हंडकंप

नई दिल्ली । सोमवार की सुबह 11:30 बजे दिल्ली के कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन पर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब सीआईएसएफ ने युवक के बैग में एक देशी पिस्टल और 8 एमएम कैलिबर की गोली बरामद की। कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन पर युवक 11:30 बजे गेट से अंदर घुसने की कोशिश कर रहा था। जैसे ही वहाँ लगे एक्स रे मशीन में युवक ने अपना बैग रक्खा, स्क्रीनिंग के समय सुरक्षाकर्मियों ने उसके बैग में पिस्टल देखी। इसके बाद उन्होंने युवक को रोकर मामले की जानकारी शिफ्ट इंचार्ज को दी। यात्री के बैग की जांच की गई,तब उसमें एक देशी पिस्टल और गोली मिली। जिसके बैग से पिस्टल बरामद हुई उसका नाम आशु यादव है। आशू प्रतापगढ़ (यूपी) का रहने वाला है। आशु की उम्र 19 साल है, पूछताछ में आशु ने कहा की वह यूपी से गुरुग्राम बढ़ई का काम करने आया था। पिस्टल के बारे में पूछने पर उसने कहा कि उसे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। उसकी पिस्टल को जब्त करके आगे की कार्यवाई के लिए मेट्रो पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

12 राज्यसभा सांसदों को सदन से निलंबित किया

नई दिल्ली। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना के 12 राज्यसभा सांसदों को सदन से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन के बाद सांसद संसद के शीतकालीन सत्र में भाग नहीं ले सकते हैं। निलंबित सांसदों में सीपीएम और सीपीआई के भी सदस्य शामिल हैं। जिन सांसदों को निलंबित किया गया है,उसमें सीपीएम के एलमाराम करीम, कांग्रेस के फूलों देवी नेताम, छाया वर्मा, रिपुन बोरा, सीपीआई के बिनॉय विश्वम, टीएमसी की डोला सेन और शांता क्षेत्र शामिल हैं। इसके अलावा कांग्रेस के सैयद नासिर हुसैन, शिवसेना की प्रियंका चतुर्वेदी और अनिल देसाई तथा कांग्रेस के ही अखिलेश प्रसाद सिंह भी शामिल है। सदन के पिछले सत्र में अनुशासनहीनता के आरोप में राज्यसभा के इन 12 सांसदों को निलंबित किया गया है। सदन 30 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

राज्यसभा सदस्यों ने पांच पूर्व सदस्यों के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली । संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार को शुरू होने के बाद राज्यसभा की बैठक अपने वर्तमान सदस्य एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री ऑस्कर फर्नांडीज और पांच पूर्व सदस्यों को श्रद्धांजलि देने के बाद स्थगित कर दी गई।राज्यसभा की बैठक शुरू होने के बाद नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई गई। इसके बाद सभापति एम वेंकैया नायडू ने ऑस्कर फर्नांडीज और पांच पूर्व सदस्यों के निधन का जिक्र किया।सभापति ने बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री फर्नांडीज का 13 सितंबर को 88 साल की उम्र में निधन हो गया था।फर्नांडीज ने उच्च सदन में चार बार कर्नाटक का प्रतिनिधित्व किया। नायडू ने कहा फर्नांडीज के निधन से देश ने बहुमुखी प्रतिभा के धनी एक मुखर सांसद, उत्कृष्ट समाज सेवक और एक कुशल प्रशासक को खो दिया है।'' सभापति ने बताया कि उच्च सदन के पूर्व के बी शानप्पा का नौ मई 2021 को 82 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने बताया कि विभिन्न मुद्दों पर मुखरता से अपनी बात रखने वाले प्रख्यात पत्रकार चंदन मित्रा भी उच्च सदन के सदस्य थे, जिनका एक सितंबर 2021 को 66 साल की उम्र में निधन हो गया। सभापति ने बताया कि पूर्व सदस्य हरिसिंह नलवा का 88 साल की उम्र में नौ सितंबर 2021 को, मोनिका दास का 82 साल की उम्र में सात नवंबर 2021 को और अवनि राय का 82 साल की उम्र में 25 नवंबर 2021 को निधन हो गया। इसके बाद सदन में दिवंगत नेताओं के सम्मान में सदस्यों ने कुछ पलों का मौन रखा। श्रद्धांजलि देने के बाद सभापति नायडू ने पूर्व केंद्रीय मंत्री ऑस्कर फर्नांडीज के सम्मान में बैठक 11 बज कर 20 मिनट पर एक घंटे के लिए स्थगित कर दी।

चीन ने एलओसी पर बुनियादी ढांचे में किया विकास, भारतीय सेना के लिए चिंता की बात

जम्मू। भारतीय सेना ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण के करीब चीन के अपने बुनियादी ढांचे को तेजी से विकसित करने पर गहरी आपत्ति जाहिर की है। सूत्रों के अनुसार,दोनों सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच हाल ही में क्षेत्र में हुई उच्च स्तरीय बैठक के दौरान भारतीय सेना ने चीन के नियंत्रण रेखा पर हाईवे प्रोजेक्ट के साथ अपने विमान उतारने के लिए नए एयर स्ट्रिप बनाने की कार्रवाई पर एतरात जाहिर किया है। भारतीय सेना के लिए चिंता का विषय है, कि चीन सेना ने नियंत्रण रेखा के बिल्कुल पास लोगों को बसाने के साथ न सिर्फ सैन्य बुनियादी ढांचे को तेजी से विकास कर रहा, अपितु वहां अपनी कुछ मिसाइल रेजिमेंटें भी तैनात कर दी हैं। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपने फाइटर, मालवाहक विमान उतारने के लिए चीन ने पहले से काशगर, गार गुंसा व होटन में हवाई पट्टियां बना रखी हैं। सूत्रों के अनुसार, चीन अपना बुनियादी ढांचा इसतरह के इलाकों में बना रहा है, यहां पहाड़ियों की ढलान में होने के कारण अमरीका व अन्य देशों के सेटेलाइट की नजर में नहीं आता है। इसके साथ चीन पूर्व नियंत्रण रेखा पर अपने हान सैनिकों के साथ तिब्बत के युवाओं को सेना में भर्ती कर तैनात कर रहा है। सूत्र बताते हैं कि पिछले साल के मुकाबले चीन इस साल सैनिकों की बैरकों, सड़कों व जवानों की तैनाती के मामले में कहीं अधिक मजबूत हो गया है।इसके बाद नियंत्रण रेखा के पास हाईवे को और चौड़ा करने के साथ नहीं एयरस्ट्रिप बनाकर स्पष्ट संकेत दिए हैं कि चीन की नीयत सही नहीं है। वह आक्रामक तेवर दिखाने के लिए ही वास्तविक नियंत्रण रेखा पर खुद को लगातार मजबूत कर रहा है।

पीएम मोदी के कोरोना के नए वैरिंयट को लेकर आगाह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन पीएम नरेंद्र मोदी ने सांसदों से सदन में शांति बनाए रखने की अपील की।वहीं पीएम ने कोरोना के नए ओमिक्रॉन वैरिएंट को लेकर सावधान रहने की भी अपील की।उन्होंने देशवासियों से भी अपील कर कहा कि दुनिया में कोरोना के नए वैरिएंट को लेकर चिंता जाहिर की जा रही है।इसके बाद हमें सावधान रहने की जरूरत है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले सत्र के बाद कोरोना की विकट स्थिति में भी देश ने 100 करोड़ से ज्यादा कोरोना टीके लगाए हैं। इस दिशा में हम और तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना के नए वैरिएंट की खबरें हमें और सतर्क रहने को कहती हैं। मैं सभी लोगों और अपने संसद के साथियों से आग्रह करता हूं कि वे सतर्क रहें। देश के 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को कोरोना काल में और अधिक दिक्कत न हो, इसके लिए पीएम गरीब कल्याण अन्ना योजना के तहत मुफ्त राशन देने की योजना चल रही है।योजना को अब मार्च, 2022 तक के लिए बढ़ाया गया है। एक तरफ पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मिलने वाले मुफ्त राशन की अवधि को अगले साल मार्च तक बढ़ाया जाना और पीएम मोदी की अपील ने कोरोना के चलते नई आफत के संकेत दिए हैं। बता दें कि केंद्र सरकार ने अफ्रीका, यूरोप सहित दुनिया के कई देशों में मिले ओमिक्रॉन कोरोना वैरिएंट के चलते अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की देश में एंट्री पर सख्ती बढ़ा दी है। इसके तहत भारत आने वाले यात्रियों को पिछले 14 दिनों की अपनी ट्रैवल हिस्ट्री के बारे में बताना होगा।साथ ही अपनी निगेटिव आरटीपीसीआर रिपोर्ट भी एयर सुविधा पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। तभी वे भारत की यात्रा कर पाएंगे। ओमिक्रॉन वैरिएंट के चलते दुनिया भर में एक बार फिर से हलचल मच गई है। जर्मनी, इजरायल, ब्रिटेन सहित कई देशों ने यात्रा पाबंदियां लागू करना शुरू कर दिया है।

संघ सैन्य संगठन नहीं, पारिवारिक माहौल वाला समूह है: भागवत

ग्वालियर (एजेंसी)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि संघ कोई सैन्य संगठन नहीं है, बल्कि पारिवारिक माहौल वाला एक समूह है। संघ के मध्य भारत प्रांत के स्वर साधकों (म्यूजिकल बैंड) के समापन शिविर को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा संघ में संगीत कार्यक्रम होते हैंष तो यह कोई संगीत शाला नहीं है और न ही कोई व्यायामशाला या मार्शल आर्ट क्लब है। संघ में गणवेश पहनी जाती है तो यह कोई सैन्य संगठन नहीं है। संघ तो कुटुंब निर्माण करने वाली संस्था है। उन्होंने कहा कि संगीत, बौद्धिक जैसे कार्यक्रम मनुष्य की गुणवत्ता बढ़ाते हैं और जब समाज ठीक रहेगा तो देश बदलेगा और यदि देश का भाग्य बदलना है तो गुणवत्ता वाला समाज बनाना होगा और संघ यही काम कर रहा है, इसके लिए समाज का विश्वास होना जरूरी है। भागवत यहां बृहस्पतिवार को शुरू हुए घोष शिविर को संबोधित करने शुक्रवार आधी रात को ग्वालियर पहुंचे थे।आरएसएस प्रमुख ने कहा भले ही भारत आजादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है, लेकिन देश को कुप्रबंधन और लूट से हुए नुकसान की भरपाई करने की जरूरत है और यह काम समाज का है। उन्होंने कहा, हमें 15 अगस्त 1947 को आजादी मिली थी, लेकिन इसके लिए संघर्ष 1857 में शुरू हो गया था। एक विचार प्रबल हुआ कि हम अपने घर में एक विदेशी शक्ति से हार गए और चीजों को सीधा करने के प्रयास शुरू किए गए। एक निरंतर राजनीतिक और सामाजिक सुधार कार्य हुआ और हमें स्वतंत्रता मिली। उन्होंने कहा यदि देश को बनाना है तो अभी और प्रयास करने होंगे तथा अव्यवस्थाओं और लूट के कारण देश का जो नुकसान हुआ है, उसको ठीक करने में अभी 10-20 वर्ष और लगेंगे। उन्होंने कहा राजनेताओं, सरकार और पुलिस द्वारा लाया गया परिवर्तन कुछ समय तक ही रहता है, यदि इसे समाज का समर्थन नहीं मिलता है।

सीएम खटटर से मिले कैप्टन ने कहा, थोड़ा इंतजार करिए ...... हम सरकार बनाएंगे

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से उनके आवास पर सोमवार को मुलाकात की। मुलाकात के बाद अमरिंदर सिंह ने कहा कि सदस्यता अभियान काफी अच्छा चल रहा है। थोड़ा इंतजार करिए। हम (अपने सहयोगियों के साथ) सरकार बनाएंगे। अमरिंदर ने मुख्यमंत्री खट्टर के साथ मुलाकात को शिष्टाचार मुलाकात का नाम दिया है।दरअसल, गांधी परिवार के वफादारों में से एक अमरिंदर ने अपमानित होकर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर कांग्रेस भी छोड़ दी। इसके बाद उन्होंने खुद की पार्टी का ऐलान किया। जिसे पंजाब लोक कांग्रेस के नाम से जाना जाता है। कांग्रेस से अलग होने के बाद अमरिंदर सिंह लगातार गठबंधन कर चुनाव में उतरने की बात कर रहे हैं। इतना ही नहीं कृषि कानूनों की वापसी के बाद अमरिंदर सिंह भाजपा के साथ गठबंधन को लेकर भी उत्सुकता दिखाई है। अमरिंदर सिंह की खट्टर के साथ मुलाकात गठबंधन की दिशा पर उठाया गया पहला कदम है। हालांकि दिल्ली दौरे के समय उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह से बंद कमरे में मुलाकात की थी। जिसके कई राजनीतिक मायने निकाले गए थे।

सिख फार जस्टिस संगठन की खालिस्तानी झंडा फहराने की अपील, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

नई दिल्ली । संसद के शीतकालीन सत्र को लेकर दिल्ली में सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं। इस बीच सिख फार जस्टिस संगठन की ताजा धमकी से दिल्ली पुलिस के साथ अन्य सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। जानकारी के अनुसार, संगठन सिख फार जस्टिस ने किसानों से संसद का घेराव कर खालिस्तानी झंडा फहराने की अपील की है। इतना ही नहीं, ऐसा करने के लिए आनलाइन वीडियो भी जारी किया है। इसके बाद खुफिया एजेंसियों ने अलर्ट जारी कर दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियों ने खुफिया एजेंसियों द्वारा सतर्क रहने के लिए कहा है। संसद के शीतकालीन सत्र के मद्देनजर खासकर नई दिल्ली इलाके में सुरक्षा व्यवस्था चाकचौबंद कर दी गई है। दिल्ली-एनसीआर के बार्डर पर धरना प्रदर्शन कर रहे किसान संगठन संयुक्त किसान मोर्चा ने 29 मार्च का संसद के लिए ट्रैक्टर मार्च स्थगित कर दिया है, बावजूद इसके दिल्ली पुलिस ने जगह-जगह सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।दिल्ली पुलिस ने अपनी तरफ से सुरक्षा के सभी जरूरी इंतजाम किए हैं, ताकि संसद सत्र के दौरान कोई अप्रिय घटना ना हो।बता दें कि 26 जनवरी को किसान ट्रैक्टर मार्च के दौरान उपद्रवी तत्वों ने लाल किला पर हिंसक प्रदर्शन के दौरान जमकर बवाल किया था। हद तो तब हो गई जब लाल किला की प्राचीर पर लगे तिरंगे के बगल में एक अन्य झंडा फहरा दिया गया। चांदनी चौक, लाजपतनगर, सरोजनीनगर सहित दिल्ली के प्रमुख बाजारों में भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। मेट्रो और रेलवे स्टशनों पर भी अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

कृषि कानून वापसी बिल को दोनों सदनों से मंजूरी, राहुल गांधी ने कहा, यह किसानों की जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कृषि कानून वापसी बिल को सोमवार को राज्यसभा और लोकसभा में मंजूरी मिल गई है। बता दें कि केंद्र सरकार द्वारा लाए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन कर रहे थे, जिन्हें विपक्षी दलों का भी समर्थन हासिल था।यह देखकर खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि कानूनों के वापसी का ऐलान किया था। इसके बाद सोमवार को वापसी बिल को दोनों सदन में मंजूरी मिल गई।इस लेकर राहुल गांधी ने कहा कि यह किसानों की जीत है। आखिर में सरकार को तीनों तीनों काले कानून को वापस लेना पड़ा। राहुल गांधी ने कहा कि यह तीनों कृषि कानून किसानों पर आक्रमण था।हम भी एमएसपी कानून चाहते हैं। कानूनों की वापसी किसानों और मजदूरों की सफलता है। सरकार ने कानून वापसी पर चर्चा नहीं की। पीएम मोदी के उस बयान पर भी राहुल गांधी ने तंज कसा,जिसमें पीएम ने कहा था कि कुछ किसानों को हम समझा नहीं सके।इसपर राहुल गांधी ने कहा कि यह कुछ किसान नहीं थे बल्कि पूरे देश के किसान थे जिन्हें आपने पहले खालिस्तानी कहा था। उन्होंने कथित किसानों के मौत को लेकर मुआवजे की मांग की है। राहुल ने आरोप लगाया कि सरकार की ही वजह से किसानों को एक साल तक आंदोलन करना पड़ा। राहुल ने कहा कि हमें पता था कि 3-4 बड़े पूंजीपतियों की शक्ति हिन्दुस्तान के किसानों के सामने खड़ी नहीं हो सकती। और वहीं हुआ काले कानूनों को रद्द करना पड़ा। तथ्य यह है कि केंद्र सरकार इस मामले में किसानों द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए भारतीय लोगों की ताकत का सामना नहीं कर सकी। आने वाले राज्य के चुनाव भी उनके दिमाग में होंगे।

तमिलनाडु में वेल्लोर के पास 3.6 तीव्रता के महसूस किए गए भूकंप के झटके

चेन्नई (एजेंसी)।

उत्तरी पेरू में रविवार सुबह 7.5 तीव्रता का भूकंप के तगड़े झटके के बाद भारत में भी भूकंप के झटके महसूस हुए। सोमवार की तड़के तमिलनाडु में वेल्लोर के पास भूकंप की सूचना मिली थी। तमिलनाडु राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (टीएनएसडीएमए) के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.6 थी। भूकंप का केंद्र वेल्लोर से 59.4 किमी पश्चिम-दक्षिण पश्चिम में स्थिति था। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी ने बताया कि घटना सोमवार सुबह करीब 4.17 बजे और 25 किलोमीटर की गहराई पर हुई। हालांकि, क्षेत्र में किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं मिली है। तमिलनाडु के उत्तरी नगर वेल्लोर से कुछ दूर सोमवार तड़के भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इसकी जानकारी दी। इस बीच, प्रशासन के अधिकारियों ने एक गांव में एक घर के आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त होने की सूचना दी।केंद्र ने बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.6 मापी गई। भूकंप सोमवार को तड़के चार बजकर 17 मिनट पर 25 किलोमीटर की गहराई में आया। केंद्र ने बताया कि इसका केंद्र वेल्लोर से 59 किलोमीटर दूर और चेन्नई से करीब 184 किलोमीटर पश्चिम में था। वेल्लोर जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि भूकंप थट्टापरई गांव (गुड़ियट्टम तालुक) के तहत मथुरा मीनूर कोलाइमेडु में आया और इलाके में घर भूकंप के असर से क्षतिग्रस्त हो गया।मकान मालिक ने बताया कि भूकंप की वजह से घर में 'दरार' आ गई। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के कारण जिले में किसी और तरह के नुकसान का पता लगाने का काम जारी है। उत्तरी पेरू में रविवार की सुबह 7.5 तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस हुआ। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने इसकी जानकारी दी।रविवार सुबह पांच बजकर 52 मिनट पर भूकंप का तेज झटका आया, जिससे कई इमारतों को नुकसान पहुंचा और मलबे के कारण कई सड़कें बाधित हुईं। भूकंप की तीव्रता काफी तेज थी हालांकि, इसकी गहराई करीब 112 किलोमीटर होने के कारण अधिक नुकसान की आशंका नहीं है।

किसानों की भलाई के लिए लाए गए थे तीन कृषि कानून, कांग्रेस ने किया दोहरा व्यवहार : तोमर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने सोमवार को कांग्रेस पर तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के मुद्दे पर दोहरा रुख अपनाने का आरोप लगाया और दावा किया कि सरकार इन कानूनों को किसानों की भलाई के लिए लेकर आई थी। तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने के लिए सरकार द्वारा लाए गए कृषि विधि निरसन विधेयक को राज्यसभा में पेश करते हुए तोमर ने कहा किसानों की भलाई के लिए सरकार तीनों कानूनों को लेकर आई थी, लेकिन हम सभी को इस बात का दुख है कि कई बार प्रयत्न करने के बावजूद और कांग्रेस पार्टी के लोग अपने घोषणा पत्र में रखने के बाद भी उस पर दोहरा रुख अपनाते रहे हैं। ज्ञात हो कि भाजपा दावा करती रही है कि कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में तीनों कृषि कानूनों की तर्ज पर कानून लाने का वादा किया था, लेकिन वैसे ही प्रवाधानों वाले कानून केंद्र सरकार लेकर आई तो कांग्रेस विरोध पर उतारू हो गई। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'ऐतिहासिक बड़प्पन' का परिचय दिया और गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर उन्होंने इन कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा की। उन्होंने कहा यह प्रधानमंत्री की कथनी और करनी की एकरूपता का परिचायक है कि हम यहां इन कानूनों को वापस लेने आए हैं। सत्ता पक्ष भी तैयार है और विपक्ष भी मांग करता रहा है। विधेयक को पारित करने का अनुरोध करते हुए उन्होंने कहा इस विषय को आगे बढ़ाने की जरूरत नहीं है।

कृषि कानूनों की वापसी का बिल लोस में पारित होने के बाद जारी रहेगा आंदोलन : राकेश टिकैत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र सरकार के तीनों विवादास्पद कृषि कानूनों विधेयक के लोकसभा में पारित होने के बाद सोमवार को भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने कहा कि बाकी मांगों को लेकर किसान यूनियनों का आंदोलन अनवरत जारी रहेगा और आंदोलन की नई रूप रेखा चार दिसंबर के बाद तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम एमएसपी समेत तमाम अन्य मुद्दों पर किसी चर्चा के बिना आंदोलन से नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि फिलहाल किसान राजधानी की ओर ट्रैक्टर मार्च नहीं निकालेंगे। लोकसभा में तीनों विवादास्पद कृषि कानूनों- कृषक उपज व्यापार एवं वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) अधिनियम 2020, कृषक (सशक्तीकरण एवं संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार अधिनियम 2020 तथा आवश्यक वस्तु (संशोधन) अधिनियम 2020 के निरसन के लिये कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर प्रस्ताव को सदन ने बिना बहस के पारित कर दिया। इस खबर के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए किसान नेता टिकैत प्रसन्न दिख रहे थे लेकिन उन्होंने कहा कि अभी दूसरे मुद्दें बाकी हैं। उन्होंने कहा, 'न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानूनी गारंटी मिलने तक आंदोलन चलता रहेगा।' आगे के आंदोलन के तौर तरीके के बारे में सवालों पर उन्होंने कहा कि आज ट्रैक्टर रैली नहीं निकाली जाएगी, आगे की रूप रेखा चार दिसंबर को तय होगी। यह पूछे जाने पर यदि बाकी संगठन आंदोलन उठाने का फैसला करते हैं तो आपका क्या रूख होगा, टिकैत ने कहा,'हमारे सामने किसान यूनियन की ओर से अभी इस तरह की कोई बात नहीं आई है।' उन्होंने यह भी कहा कि उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि इस मसले को किसान यूनियनें और सरकार मिलकर तय करें। किसान नेता ने उम्मीद जताई की बात सामाधान की ओर बढ़ेगी।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com